दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित >>> दिल्ली >>> गाजियाबाद >>> नोएडा >>> ग्रेटर नोएडा >>> हापुड़ >>> अमरोहा >>> बागपत >>> मेरठ >>> मुजफ्फर नगर >>> बिजनौर >>> मुरादाबाद >>> बुलंदशहर >>> अलीगढ़ >>> फरीदाबाद >>> गुड़गांव >>> सोनीपत RNI-UPHIN/2009/30721

गुरुवार 11 सितंबर 2025
सुर्योदय प्रातः 06 :04 बजे
सूर्यास्त सांय 18 : 31 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 संगठन को लेकर कब चिंता करेगी कॉंग्रेस?

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्षः 16 | अंक : 327 | गाजियाबाद, गुरुवार 11 सितंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

सेकेंड वर्ल्ड वॉर के बाद सबसे खतरनाक हालात

- पोलैंड ने 3 रूसी ड्रोन मार गिराए, टस्क ने सभी सहयोगी कहा एकजुट हो जाओ

मास्को (एजेंसी)। पोलैंड ने बुधवार को अपने हवाई क्षेत्र में घुसे 3 रूसी ड्रोन को मार गिराया। यह पहली बार है जब नाटो के किसी देश ने रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद इस तरह की कार्रवाई की। पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने कहा कि रात में 19 बार हवाई क्षेत्र का उल्लंघन हुआ। उन्होंने नाटो के नियम 4 को लागू किया, जिसके तहत सहयोगी देशों से सलाह मांगी जा सकती है।

टस्क ने कहा, हम युद्ध के कगार पर नहीं हैं, लेकिन स्थिति पहले से कहीं ज्यादा खतरनाक है। यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे खतरनाक स्थिति है।

- **नाटो और यूरोप का समर्थन मांगा-** नाटो ने पोलैंड की रक्षा में मदद की पुष्टि की। नाटो के प्रवक्ता ने कहा कि 32 देशों के दूत इस मामले पर चर्चा करेंगे।यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने 415 ड्रोन और 40 मिसाइलों से हमला किया, जिनमें से 8 ड्रोन पोलैंड की ओर भेजे गए। उन्होंने इसे यूरोप के लिए खतरनाक बताया और सभी सहयोगियों से एकजुट जवाब की मांग की।

नेपाल के बाद अब फ्रांस में बवाल, सरकार के खिलाफ उतरे प्रदर्शनकारी

1 लाख लोग सड़कों पर, आगजनी

80 हजार पुलिसकर्मी तैनात, 200 उपद्रवी गिरफ्तार

पेरिस (एजेंसी)। नेपाल के बाद अब फ्रांस में भी सरकार के विरोध में प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। बजट में कटौती के खिलाफ और राष्टपति इमैनुएल मैक्रों के इस्तीफे की मांग को लेकर 1 लाख से ज्यादा लोग बुधवार को सड़क पर आ गए।

गृह मंत्री ब्रूनो रेतेयो ने बताया,प्रदर्शनकारियों ने रेन शहर में एक बस को आग लगा दी। दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में एक बिजली लाइन को नुकसान पहुंचने के बाद ट्रेन सेवाएं रोक दी गईं। गृह मंत्री ने प्रदर्शनकारियों पर विद्रोह का माहौल बनाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। फ्रांस बंद का आह्वान लेफ्ट पार्टियों ने किया है। इस प्रदर्शन को 'ब्लॉक एवरीथिंग' नाम दिया गया। सरकार ने 80 हजार पुलिसकर्मियों को तैनात कर दिया है। अब तक 200 से ज्यादा उपद्रवी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर आगजनी कर टैफिक को रोकने की कोशिश की है, जिसे पुलिस और दमकलकर्मी ने हटा दिया गया था।

नेपाल अब सेना के कब्जे में

सुप्रीम कोर्ट में खाक हुईं 25 हजार फाइलें, 27 उपद्रवी गिरफ्तार

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में सोशल मीडिया बैन और भ्रष्टाचार के खिलाफ जारी आंदोलन का बुधवार को तीसरा दिन था हिंसक प्रदर्शन रोकने के लिए सेना ने मंगलवार रात 10 बजे से पूरे देश का कंट्रोल अपने हाथ में ले लिया था। इसके बाद भी कई इलाकों में हिंसा जारी थी।

प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार शाम को सुप्रीम कोर्ट में आग लगा दी थी, जिसके चलते 25 हजार से ज्यादा केस फाइलें राख में बदल गईं। वहीं, आज सेना ने 27 उपद्रवियों को गिरफ्तार किया है। सेना का कहना है कि ये लोग

स्थिति का गलत फायदा उठाकर तोड़फोड़, अराजकता, लूटपाट, आगजनी और जान-माल को नुकसान पहुंचाने की साजिश कर रहे थे। पुलिस ने इनके पास से 33.7 लाख रुपए नकद भी बरामद किए हैं।

इसके अलावा 23 बंदूकें, मैगजीन और गोलियों सहित 31 अलग-अलग तरह के हथियार भी जब्त किए गए हैं। केपी शर्मा ओली पीएम पद से इस्तीफा देकर काठमांडू छोड़ चुके है। यहां हिंसक प्रदर्शन में अब तक 30 लोगों की मौत हुई, जबकि 400 से ज्यादा लोग घायल हैं।

ट्रम्प बोले-मोदी अच्छे दोस्त, ट्रेड बैरियर पर उनसे बात करूंगा

- मोदी बोले- मैं इंतजार कर रहा हूं, बेहतर डील करने के लिए टीमें बात कर रहीं

वॉशिंगटन (एजेंसी)। भारत-अमेरिका ट्रेड डील नेगोशिएशन और टैरिफ टेंशन के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि उन्हें पूरा विश्वास है कि वॉशिंगटन और दिल्ली के बीच चल रही बातचीत जल्द किसी बेहतर नतीजे पर पहुंचेगी। ट्रम्प ने कहा कि वे सभी तरह के ट्रेड बैरियर खत्म करने के लिए आने वाले हफ्तों में प्रधानमंत्री मोदी से बात करेंगे।ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि भारत और अमेरिका दोनों देशों के बीच ट्रेड बैरियर को दूर करने के लिए बातचीत जारी है। पीएम मोदी बोले- मैं इंतजार कर रहा हूं, बेहतर डील करने के लिए टीमें बात कर रहीं हैं।

रायबरेली में राहुल गांधी बोले-

बीजेपी वाले पूरे देश में डिस्टर्ब हैं, क्योंकि हमने इनकी वोट चोरी पकड़ ली है

रायबरेली/लखनऊ (एजेंसी)। रायबरेली में राहुल गांधी ने प्रजापति समाज के सम्मेलन में भाजपा और आरएसएस को निशाने पर लिया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा- देश में 90 फीसदी आबादी ओबीसी, दलित और आदिवासियों की है। लेकिन ये भाजपा-आरएसएस के लोग नहीं चाहते कि ये कभी आगे बढ़ें। बीजेपी वाले पूरे देश में डिस्टर्ब हैं, क्योंकि हमने इनकी वोट चोरी पकड़ ली है।

ये चाहते हैं कि दलित वहीं पर रहे, अंबानी जहां हैं वहीं पर रहें। प्रधानमंत्री मोदी खुद ओबीसी हैं, लेकिन जाति जनगणना पर कुछ नहीं बोलते। मैंने संसद में इसपर सवाल किया तो वे डेढ़ घंटे तक भाषण देते रहे लेकिन जाति जनगणना पर एक भी शब्द नहीं बोले।बुधवार सुबह साढ़े 8 बजे राहुल गांधी दिल्ली स्थित अपने आवास से रायबरेली के लिए रवाना हुए थे। दिल्ली एयरपोर्ट से फ्लाइट लेकर लखनऊ पहुंचे और वहां से सड़क मार्ग से रायबरेली पहुंचे थे। रास्ते में राहुल गांधी के काफिले को विरोध का सामना करना पड़ा।

हेमामालिनी वृंदावन की भीषण बाढ़ देखने निकलीं

बच्चे को गोद में उठाया, पीड़ितों को खाना परोसा

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में गंगा, यमुना समेत नदियों का बढ़ता जलस्तर लोगों के लिए मुसीबत बन गया है। हथिनी कुंड बैराज से पानी छोड़े जाने के बाद मथुरा के वृंदावन में हालात बिगड़ गए हैं। 50 प्रतिशत इलाका बाढ़ प्रभावित है। राधा वल्लभ मंदिर में पानी भर गया। बस स्टैंड पर खड़ी बसें बाढ़ के पानी से आधी डूब गईं।

सांसद हेमामालिनी वृंदावन के बाढ़ प्रभावित लोगों के बीच पहुंची और हालचाल जाना। पूछा- खाना और दूध मिल रहा है कि नहीं। इसके बाद बच्चे को गोद में उठाकर दुलारा। उसके बाद मां से नाम पूछा तो बताया कृष्णा। उसके बाद रेस्क्यू किए गए पशुओं को चारा खिलाया। आगरा में हाथी घाट तक यमुना की बाढ़ पहुंच गई है। श्मशान घाट डूब गए हैं। ऐसे में लोगों को सड़क किनारे अंतिम संस्कार करना पड़ रहा है। 25 कॉलोनियों में बाढ़ का पानी घुसने से करीब 4000 परिवार के लोग प्रभावित हो गए हैं। सोमवार को किला घाट पर सड़क पर जलभराव के बीच एक घोड़ा गाड़ी पलट गई। गनीमत रही कि किसी को चोट नहीं आई।वहीं मध्य प्रदेश से 14 फीट लंबा मगरमच्छ बहकर सोनभद्र पहुंच गया।

पूर्व बीजेपी विधायक गुंडप्पा वकील डिजिटल अरेस्ट ठगी के शिकार, 30 लाख गंवाए

नईदिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के औरद से पूर्व बीजेपी विधायक गुंडप्पा वकील के साथ साइबर ठगी हुई। स्कैम में फंसकर पूर्व विधायक ने 30.99 लाख गंवा दिए। पुलिस के मुताबिक, ठगों ने खुद को सीबीआई, ईडी के अधिकारी और जज बताया था। उन्होंने वकील पर जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में शामिल होने का आरोप लगाते हुए उन्हें डिजिटल अरेस्ट में रखा।ठगों ने नकली ऑनलाइन कोर्ट सुनवाई भी की। भाजपा विधायक ने पहले 10 लाख, फिर 20 लाख रुपये और ट्रांसफर कर दिए। वकील की शिकायत पर सीसीबी साइबर क्राइम पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दो महीने पहले भी रमनगर जिले में इसी तरह के डिजिटल अरेस्ट में फंसाकर एक बीईएसकॉम कांट्रैक्ट कर्मचारी ने आत्महत्या की थी।

महागठबंधन में 70 सीटों पर अड़ी कांग्रेस

- प्रियंका गांधी सितंबर में बिहार का दौरा करेंगी, तेजप्रताप बोले- कोमा में जा चुकी सरकार को उखाड़ फेंकना है

पटना (एजेंसी)। विधानसभा चुनाव से पहले बिहार की सियासत में सरगर्मी तेज हो गई। राजनीतिक दल पूरी तरह से एक्टिव हो चुके हैं। आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी जारी है। राजनीतिक पार्टियां चुनावी मैदान में उतरने के लिए रणनीति तैयार करने में जुटी हैं। दिल्ली में कांग्रेस की बैठक हुई। महागठबंधन में कांग्रेस 70 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। वहीं बिहार में सियासी पकड़ मजबूत करने के लिए सितंबर महीने में प्रियंका गांधी भी बिहार दौरे पर आ सकती हैं।

70 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है कांग्रेस-बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले कांग्रेस ने सीट बंटवारे पर अपनी रणनीति साफ कर दी है। को पार्टी की दिल्ली में बैठक हुई। इसमें तय हुआ कि बिहार में कांग्रेस 70 से कम सीटों पर नहीं मानेगी।

पार्टी का दावा है कि राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा के बाद पूरे बिहार में माहौल बदला है। इस यात्रा के बाद से पार्टी में उत्साह है।

ईडी ने 86 हजार करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कर्नाटक विधायक को गिरफ्तार किया

नईदिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय ने अवैध कच्चा लोहा एक्सपोर्ट मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में कर्नाटक के करवार से विधायक सतीश कृष्णा सेल को गिरफ्तार किया है। उन्हें कल देर रात ईडी के बेंगलुरु जोनल कार्यालय द्वारा हिरासत में लिया गया और आज अदालत में पेश किया जाएगा। यह गिरफ्तारी 13 और 14 अगस्त, 2025 को करवार (उत्तर कन्नड़), गोवा, मुंबई और नई दिल्ली में कई स्थानों पर पीएमएलए, 2002 के तहत की गई तलाशी बाद हुई है। जांचकर्ताओं ने पाया कि सतीश सेल ने व्यावसायिक इकाइयों और बंदरगाह अधिकारियों के साथ मिलीभगत से 86.78 करोड़ रुपए के एक्सपोर्ट को सुविधाजनक बनाया जो अंकोला वन विभाग के जब्ती आदेशों के अधीन था।

दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों की ब्लॉक संसाधन केंद्र में हुई बैठक

एनसीआर टुडे. नहटौर । ब्लॉक संसाधन केंद्र नहटौर में दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों की बैठक आयोजित की गई। जिसमें सरकार द्वारा संचालित दिव्यांग बच्चों की योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। बुधवार को राज्य परियोजना लखनऊ तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बिजनौर के आदेश अनुसार दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों की एक बैठक का आयोजन ब्लॉक संसाधन केंद्र नहटौर में किया गया। बैठक खंड शिक्षा अधिकारी दिनेश कुमार और डीसी लियाकत अली की देखरेख में आयोजित की गई। बैठक में ब्लॉक की विभिन्न न्याय पंचायत से दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों को बुलाया गया। बैठक में डॉक्टर फरहत अली फिजियोथैरेपिस्ट और स्पेशल एजुकेटर चंद्रेश कुमार बलकरण सिंह, दीपमाला के द्वारा सरकारी दिव्यांग बच्चों के लिए योजनाओं दिव्यांग प्रमाण पत्र, स्टाइपेंड एस्कॉर्ट और अन्य योजनाओं के विषय में जानकारी दी गई। प्रमा पत्र बांटे।

रामलीला मंचन का पूजन के बाद विधायक पुत्र ने किया उद्घाटन

एनसीआर टुडे. स्योहारा । नगर के होली का मैदान वसंत वाटिका में परंपरागत प्राचीन रामलीला मंचन का आयोजन गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी बड़े धूमधाम से प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ पूजन विधि से किया गया। जिसका आयोजन कुंवर रणजय प्रताप की माता ने किया। इसके बाद विधायक अशोक कुमार राणा के पुत्र प्रियंका राणा ने फीता काटकर मंचन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख उज्ज्वल चौहान, ऑल इंडिया स्वर्णकार समाज संगठन के जिला अध्यक्ष अमित कुमार वर्मा, आशु टाइगर, राम सिंह मेंबर, चो. फईमुरहमान, राजपाल सिंह प्रजापति, डॉ. भूपेंद्र सैनी, मनोज भटनागर, विनोद कुमार तोमर, यशवंत सिंह, सत्येंद्र सैनी, नरेंद्र सैनी, इंदर सिंह तोमर, प्रकाश तोमर, श्वेत रस्तोगी, मास्टर विजयपाल सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किये नवीन एवं रचनात्मक मॉडल

एनसीआर टुडे. अलीगढ़ । नौरंगीलाल राजकीय इंटर कॉलेज में विद्यालय स्तर पर विज्ञान क्लब द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन विद्यालय के प्रधानाचार्य रवींद्र पाल सिंह तोमर द्वारा किया गया। कार्यक्रम में शिक्षकगण एवं छात्र उपस्थित रहे। इस प्रदर्शनी में कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों ने विज्ञान के विभिन्न विषयों पर अपने नवीन एवं रचनात्मक मॉडल प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने ऊर्जा संरक्षण, जल संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा, अक्षय ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष विज्ञान तथा आधुनिक तकनीक पर आधारित मॉडल तैयार किए। विद्यालय के प्रधानाचार्य रवींद्र पाल सिंह तोमर ने छात्रों की वैज्ञानिक सोच एवं रचनात्मकता की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनी विद्यार्थियों में अनुसंधान की भावना और नवाचार को प्रोत्साहित करती है। विज्ञान क्लब प्रभारी राजीव कुमार अग्रवाल ने कहा कि विज्ञान प्रदर्शनी का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना और उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना है। प्रदर्शनी में सर्वश्रेष्ठ मॉडलों को निर्णायक मंडल सदस्य लक्ष्मीरमण गुप्ता एवं हृदेश वार्ष्णेय द्वारा चयनित किया गया और विजेताओं को पुरस्कृत करने की घोषणा की गई।

विधानसभाओं में होंगे अधिकारियों के प्रशिक्षण

एनसीआर टुडे. अलीगढ़ । यूपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी, के निर्देशानुसार जिले में निर्वाचक एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं बूथ लेवल अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किए जाने की कार्यवाही की जा रही है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी पंकज कुमार ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 11 सितम्बर को दोपहर कलैक्ट्रेट के सभागार में आयोजित होगा। प्रशिक्षण में जिले के सभी निर्वाचक एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा। उन्होंने सभी निर्वाचक एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्देशित किया है कि बूथ लेवल अधिकारियों के प्रशिक्षण का आयोजन विधानसभा स्तर पर आयोजित करने के उपरान्त निर्धारित प्रारूप पर प्रमाण पत्र 24 सितम्बर 2025 को सायं 05.00 बजे तक उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें और प्रशिक्षण से सम्बन्धित फोटोग्राफ्स एवं वीडियो भी उपलब्ध कराएं।

10 दिनों में साबित करो अपनी नागरिकता, वरना...

असम सरकार ने थमाया अल्टीमेटम

गुवाहाटी, एजेंसी। असम की हिमंत बिस्वा सरमा सरकार ने संदिग्ध विदेशियों को अपनी नागरिकता साबित करने के लिए 10 दिनों का अल्टीमेटम थमाने का फैसला किया है। मंगलवार को असम कैबिनेट ने प्रवासी (असम से निष्कासन) अधिनियम, 1950 के तहत विदेशियों को निष्कासित करने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) को मंजूरी दी है। इसके तहत जिला आयुक्तों को संदिग्ध विदेशियों को अपनी नागरिकता साबित करने के लिए 10 दिनों का नोटिस देने और समय सीमा के बाद नागरिकता पर निर्णय लेने का अधिकार होगा। यानी जो संदिग्ध विदेशी दी गई समय-सीमा के अंदर अपनी नागरिकता साबित करने में विफल रहेंगे, उन्हें जिला आयुक्त निकासी का आदेश दे सकते हैं।

मुख्यमंत्री सरमा ने कैबिनेट मीटिंग में लिए गए इस फैसले के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि नया एसओपी राज्य सरकार को मौजूदा नागरिकता निर्धारण प्रक्रिया को दरकिनार करने और इसके बजाय ज़िला आयुक्तों को संदिग्ध विदेशियों को यह संतुष्ट करने के लिए 10 दिन की मोहलत देने में सक्षम बनाएगा कि

वे भारतीय नागरिक हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि अगर इसके बाद वे लोग ऐसा करने में असमर्थ रहते हैं तो जिला उपायुक्त उनके खिलाफ निकासी आदेश जारी कर सकते हैं। मौजूदा समय में संदिग्ध विदेशियों के मामले विदेशी न्यायाधिकरणों में लाए जाते हैं लेकिन नए एसओपी के तहत ये मामले अब जिला उपायुक्तों के पास होंगे।

इसी साल जून में मुख्यमंत्री सरमा ने विधानसभा में घोषणा की थी कि असम सरकार ने अप्रवासी (असम से निष्कासन) अधिनियम 1950 को लागू करने का निर्णय लिया है। उन्होंने इसके लिए सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के अक्टूबर 2024 के एक फैसले का हवाला दिया था, जिसमें नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा गया था, जो 24 मार्च, 1971 को असम में प्रवेश की अंतिम तिथि निर्धारित करती है। इसका अर्थ यह है कि इस तारीख के बाद राज्य में प्रवेश करने वालों को अवैध अप्रवासी माना जाएगा। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में कहा गया है कि सरमा ने कहा कि कैबिनेट ने अब इस अधिनियम को लागू करने के लिए जिस एसओपी को मंजूरी दे दी है, वह राज्य के विदेशी न्यायाधिकरणों की भूमिका को काफी हद तक निष्प्रभावी कर देगी। उन्होंने कहा, इस मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार, अगर उपायुक्त को सूचित किया जाता है कि कोई व्यक्ति विदेशी है, या सीमा पुलिस को सूचित किया जाता है कि वह व्यक्ति विदेशी है, या किसी अन्य स्रोत से पता चलता है कि कोई व्यक्ति विदेशी है, तो उपायुक्त उस व्यक्ति को 10 दिनों के भीतर अपनी नागरिकता साबित करने के लिए नोटिस देंगे। अगर उन 10 दिनों में उसके द्वारा दिए गए दस्तावेज उपायुक्त को संतुष्ट नहीं करते हैं, तो दसवें दिन, उपायुक्त निकासी आदेश जारी करेंगे। और हम उस व्यक्ति को तुरंत एक हिरासत केंद्र में ले जाएँगे, जहां से बीएसएफ उसे वापस बांग्लादेश या पाकिस्तान भेज देगी। यह कहते हुए कि राज्य सरकार ने विदेशी न्यायाधिकरणों को दरकिनार करने का फैसला किया है, उन्होंने कहा, केवल ऐसे भ्रामक मामले ही न्यायाधिकरणों में जाएँगे जिनमें जिला मजिस्ट्रेट कोई निर्णय नहीं ले पा रहे हों, और यदि जिला मजिस्ट्रेट प्रथम दृष्टया यह निष्कर्ष न निकाल पाएँ कि व्यक्ति विदेशी है, तो न्यायाधिकरणों में मामला जाएगा।

बिजली विभाग के खिलाफ भाकियू का हल्ला, स्मार्ट मीटरों पर गरजे किसान

एनसीआर टुडे. बिजनौर

नजीबाबाद के रायपुर रोड स्थित विद्युत कार्यालय पर मंगलवार क (भाकियू) प्रधान की अगुवाई में स्मार्ट मीटरों के खिलाफ जोरदार धरना-प्रदर्शन किया गया।

धरने की अध्यक्षता मोहम्मद फैयाज ने की जबकि संचालन नरेंद्र सिंह ने किया। भाकियू कार्यकर्ताओं ने साफ चेतावनी दी कि किसी भी हालत में स्मार्ट मीटर बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे।

उनका आरोप है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद उपभोक्ताओं पर भारी-भरकम बिजली बिलों का बोझ डाला जा रहा है, जिससे किसान और आम जनता दोनों परेशान हैं।यूनियन नेताओं ने शहर और ग्रामीण क्षेत्रों की जनता से अपील की कि कोई भी अपने घरों पर स्मार्ट मीटर न लगने दे और आंदोलन को मजबूत बनाने के लिए अधिक से अधिक संख्या में धरने में शामिल हो।

धरना-प्रदर्शन में मंडल प्रभारी दलबीर चौधरी मंडल मीडिया प्रभारी रमोद कुमार तहसील अध्यक्ष नीरज चौधरी महबूब अली चौधरी भूदेव सिंह शकील अहमद मोहम्मद रहीसुद्दीन शमशाद हुसैन गुर्जर नगर अध्यक्ष मोहम्मद फैसल, मोहम्मद आमिल, अजीत प्रताप, शकील अहमद, मोहम्मद फहीम, रईस अहमद, श्रीमती भारती, मोहम्मद शहजाद, मेहताब, राजू सिद्दीकी, गुल मोहम्मद, बेगराज श्रीमती रजिया सुल्तान, अफसरी, समीना, नसरीन, नूरजहां, समीम सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और उपभोक्ता मौजूद रहे।

भाकियू प्रधान ने ऐलान किया कि जब तक स्मार्ट मीटर लगाने का काम पूरी तरह बंद नहीं होता, तब तक यह धरना अनिश्चितकालीन रूप से जारी रहेगा।

धरना दूसरे दिन भी जारी

भारतीय किसान यूनियन का धरना बुधवार को रायपुर रोड स्थित 132 केवी बिजली घर पर दूसरे दिन भी स्मार्ट मीटर और बिजली कटौती को लेकर जारी रहा, जिसमें सैकड़ों कार्यकर्ता और शहर के ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोग मौजूद रहे। हालांकि इस दौरान कोई भी बिजली विभाग का अधिकारी वार्ता के लिए नहीं पहुंचा, जिससे कार्यकर्ताओं में और अधिक आक्रोश देखने को मिला।

बंद कमरे में ठांय-ठांय; पिता की रिवॉल्वर से हॉस्टल में किया कांड, दोस्त की मौत

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क स्थित निजी हॉस्टल में मंगलवार को गोली लगने से एक छात्र दीपक कुमार की मौत हो गई, जबकि छात्र देवांश चौहान गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती है। पुलिस के अनुसार, घटना में देवांश के पिता सेवानिवृत्त डिप्टी एसपी की लाइसेंसी रिवाल्वर का इस्तेमाल किया गया। ग्रेटर नोएडा के एडीसीपी सुधीर कुमार ने बताया कि गोली लगने से घायल छात्र देवांश के पिता सुरेंद्र सिंह उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग में डिप्टी एसपी के पद पर कार्यरत थे। वह हाल ही में सेवानिवृत्त हुए। घटना में जिस लाइसेंसी रिवाल्वर का इस्तेमाल किया गया, वह सुरेंद्र सिंह के नाम पर है।

पुलिस की जांच में खबर लिखे जाने तक यह स्पष्ट नहीं हो सका कि घटना की वजह क्या है और किसने, किसको गोली मारी। पुलिस ने घटनास्थल से जो रिवाल्वर बरामद की, उसमें छह गोलियां भरी हुई थीं। इनमें से दो गोली चली है। दोनों छात्रों को एक-एक गोली लगी है, जबकि चार गोली रिवाल्वर में भरी हुई थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एडीसीपी ग्रेटर नोएडा सुधीर कुमार ने बताया कि आज नॉलेज पार्क पुलिस स्टेशन को सूचना मिली कि आरसीआई विद्या विहार हॉस्टल में दो छात्र घायल अवस्था में हैं। पूछताछ करने पर पता चला कि हॉस्टल के गार्ड ने एक कमरे से कुछ आवाजें सुनीं। कमरा अंदर से बंद था, कमरे में दो छात्र थे, जिनमें से एक की मौत हो चुकी थी और दूसरा घायल था। घायल छात्र को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। पहली नजर में ऐसा लगता है कि एक छात्र ने दूसरे छात्र को रिवॉल्वर से गोली मार दी और फिर खुदकुशी कर ली।

बोर्ड अध्यक्ष आलोक राज ने कहा - राज्य में जल्द ही टैबलेट्स पर एग्जाम होंगे

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आरएसएमएसएसबी) अब भर्ती परीक्षाओं में बड़ा बदलाव करने जा रहा है। बोर्ड अध्यक्ष आलोक राज ने कहा है कि राज्य में जल्द ही टैबलेट्स पर एग्जाम होंगे। इसके लिए आईआईटी कानपुर और आईआईटी मद्रास के साथ मिलकर परीक्षण चल रहा है। उन्होंने बताया कि शुरुआती नतीजे पॉजिटिव हैं और आने वाले समय में इस मॉडल को लागू किया जाएगा।

आलोक राज बीकानेर कलेक्ट्रेट परिसर में 19 से 21 सितंबर तक होने वाली ग्रेड 4 परीक्षा की तैयारियों की बैठक में शामिल होने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि सबसे पहले 5 हजार, फिर 10 हजार अभ्यर्थियों के एग्जाम टैबलेट्स पर लिए जाएंगे। धीरे-धीरे इसकी संख्या को बढ़ाया जाएगा।

बोर्ड अध्यक्ष ने बताया कि ऑनलाइन एग्जाम कराने के लिए लाखों कम्प्यूटर की जरूरत है। फिलहाल राज्य में सिर्फ 20 हजार कम्प्यूटर उपलब्ध हैं और वो भी अधिकतर प्राइवेट कॉलेज और स्कूलों में हैं। इस कमी को दूर करने के लिए टैबलेट बेस्ड एग्जाम की योजना पर काम किया

जा रहा है। शुरुआत में 10 से 15 हजार टैबलेट्स तैयार कर लिए जाएंगे। बाद में उनकी संख्या बढ़ाई जाएगी ताकि बड़े स्तर पर परीक्षाएं आयोजित की जा सकें।

भर्ती परीक्षाओं में सबसे बड़ी चुनौती नकल और पेपर लीक की रही है। आलोक राज ने कहा कि टैबलेट बेस्ड एग्जाम में नकल कैसे रोकी जाए, इस पर परीक्षण किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि डमी कैंडिडेट्स की समस्या से निपटने की पूरी तैयारी कर ली गई है। अब ऐसे केस सामने नहीं आएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पेपर लीक होने की समस्या भी लगभग खत्म हो गई है। पेपर प्रिंटिंग और वितरण की प्रक्रिया को पहले से अधिक मजबूत किया गया है। अब अंतिम समय तक यह पता नहीं चलेगा कि किसके पास कौनसा पेपर सेट पहुंचा है। सुरक्षा बढ़ाने के लिए सभी परीक्षा केंद्रों को एक घंटे पहले बंद किया जाएगा और पूरी परीक्षा की वीडियोग्राफी की जाएगी। बोर्ड अध्यक्ष ने परीक्षार्थियों, खासकर छात्राओं को सलाह दी है कि परीक्षा से पहले मेहंदी लगाने से बचें। उन्होंने कहा कि हाथों के पोर पर मेहंदी लगाने से बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन में दिक्कत आती है। यदि कोई मेहंदी लगाकर आता है तो उसकी फेस स्कैनिंग की जाएगी, लेकिन किसी भी स्थिति में स्कैनिंग जरूर होगी। बेहतर होगा कि अभ्यर्थी इसमें सहयोग करें और उंगलियों के उन हिस्सों पर मेहंदी न लगाएं, जहां से बायोमेट्रिक होता है। आलोक राज ने भरोसा जताया कि नई तकनीक और कड़े इंतजामों से राजस्थान में भर्ती परीक्षाएं सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से होंगी। उन्होंने कहा कि टैबलेट्स पर एग्जाम से न सिर्फ नकल की समस्या खत्म होगी बल्कि पेपर लीक का खतरा भी पूरी तरह नियंत्रित किया जा सकेगा। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की यह पहल राज्य में होने वाली लाखों परीक्षाओं के लिए गेमचेंजर साबित हो सकती है।

गाजियाबाद में शिक्षा विभाग का कड़ा ऐक्शन

गाजियाबाद , एजेंसी। गाजियाबाद जिले में बिना मान्यता चल रहे पांच माध्यमिक स्कूलों को बंद करा दिया गया। जिला माध्यमिक शिक्षा विभाग की कार्रवाई के बाद स्कूलों ने खुद इसका घोषणा पत्र जमा कराया है कि अवैध कक्षाएं संचालित नहीं करेंगे। मामले में बेसिक शिक्षा विभाग ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है। शासन ने शिक्षा विभाग को जिले में संचालित अवैध स्कूलों को चिन्हित कर उन पर कार्रवाई के आदेश दिए थे। इस पर जिला विद्यालय निरीक्षक धर्मेंद्र शर्मा ने तीन सदस्यीय कमेटी गठित कर स्कूलों का निरीक्षण और जांच करने के निर्देश दिए थे। निरीक्षण के दौरान माध्यमिक टीम को पांच स्कूल ऐसे मिले जिनकी मान्यता 8वीं (प्राथमिक स्तर)तक थी, लेकिन वहां पढ़ाई 9वीं से 12वीं (हायर सेकेंड्री)तक हो रही थी। इन स्कूलों की जांच रिपोर्ट के आधार पर

जिला विद्यालय निरीक्षक ने 11 अगस्त को नोटिस जारी कर सात दिन में स्पष्टीकरण के साथ स्कूलों को बंद करने की चेतावनी दी। अवैध रूप से कक्षाएं नहीं चलाने का शपथ पत्र दिया = जिला विद्यालय निरीक्षक धर्मेंद्र शर्मा ने बताया कि सख्ती करने पर पांचों स्कूलों ने बिना मान्यता के संचालित कक्षाओं को बंद कर दिया है और भविष्य में नहीं चलाने का शपथ पत्र दिया है। उन्होंने बताया कि अवैध स्कूल-कोचिंग के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। बता दें कि इससे पहले भी जिले में बिना मान्यता प्राप्त चल रहे स्कूलों पर कार्रवाई की जा चुकी है। अधिकारियों का कहना है कि जिले में बच्चों के भविष्य के साथ किसी को खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा। इसके लिए हर स्तर पर जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। होली फैथ पब्लिक स्कूल, कृष्णा नगर बागू, एनएच-24 बाईपास, मदर्स प्राइड पब्लिक स्कूल, आश्रम रोड, नंदग्राम , एनएसडी पब्लिक स्कूल, नंदग्राम, शिखर पब्लिक स्कूल, गुरुद्वारा रोड, पटेलमार्ग, गॉडविन पब्लिक स्कूल, नंदग्राम पर कार्रवाई की गई। जांच के दौरान जिले में 26 बेसिक स्कूल भी बिना मान्यता के संचालित होते मिले थे। यह स्कूल न तो मानकों का पालन कर रहे और न ही इनके पास मान्यता है। इन्हें भी तकरीबन 20 दिन पहले नोटिस दिए गए।

हिस्सा होने के बाद बेटी ने किया अंतिम संस्कार

बंटवारे के लिए दो दिन घर में रखा रहा शव

जालौन, एजेंसी। यूपी के जालौन कोतवाली क्षेत्र के ग्राम औरेखी में जमीन के बंटवारे को लेकर हुए विवाद में दो दिन तक शव का अंतिम संस्कार नहीं हो सका। बंटवारे के बाद ही अंतिम संस्कार हुआ और बेटी ने पिता को मुखाग्नि दी। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम औरेखी निवासी 52 वर्षीय सुरेश कुमार की शनिवार को अचानक तबियत खराब हो गई थी। उनके कहने पर बड़े भाई उन्हें इलाज के लिए सीएचसी ले गए थे। यहां पर इलाज के बाद वह वह वापस घर लौट आए।

कुछ समय बाद ही उनकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर उनकी बेटी शिल्पी ससुराल से गांव में पहुंची और उसने पिता की मृत्यु पर संदेह व्यक्त कर पुलिस को सूचना दी। रविवार को पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। रविवार की शाम ही शव का पोस्टमॉर्टम होकर आ गया। सुरेश कुमार के इकलौती बेटी ही थी कोई बेटा नहीं था। पारिवारिक 11 बीघा जमीन सुरेश कुमार के पिता माता प्रसाद के नाम थी। शव के वापस आने के बाद सुरेश की पत्नी पारिवारिक जमीन के बंटवारे की मांग करने लगी। इसी को लेकर रविवार को शव का अंतिम संस्कार नहीं हो सका।

सोमवार को भी दिन भर बंटवारे को लेकर बात चलती रही। दिन भर नाते रिश्तेदारों और पारिवारिक सदस्यों के साथ बैठक चलती रही। जिसके बाद पिता माता प्रसाद जमीन का बंटवारा सुरेश की पत्नी और बड़े बेटे के बीच करने को तैयार हो गए। शाम को पुलिस की मौजूदगी में बेटी शिल्पी ने पिता की अर्थी को कांधा दिया और श्मशान घाट पर पिता का अंतिम संस्कार किया। पुत्री शिल्पी को ही यह सूचना मिली कि उसके पिता की मौत हो गई तो उसने ट्वीट कर एक आरोप लगाया कि उसके पिता की मृत्यु उसके बाबा तथा ताऊ के कारण हुई है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा। कोतवाल, अजय ब्रह्म तिवारी ने कहा कि पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मामला स्पष्ट हो पाएगा।

नूंह के पुन्हाना की बीडीपीओ पूजा शर्मा 28 करोड़ की धोखाधड़ी में गिरफ्तार

नूंह , एजेंसी। हरियाणा राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार शाम नूंह स्थित पुन्हाना की बीडीपीओ पूजा शर्मा को एक ठेकेदार समेत धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उन्होंने साल-2020 से 2022 तक गांव मुजेड़ी में विकास कार्य के एवज में करीब 28 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की थी।

एसीबी से मिली जानकारी के अनुसार गिरफ्तार, आरोपियों को बुधवार को अदालत में पेश किया जाएगा। साथ ही उनसे पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि विभिन्न पहलुओं से मामले की जांच की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी पूजा शर्मा मूलरूप से उत्तर प्रदेश के बरेली की रहने वाली हैं। मौजूदा समय में वह फरीदाबाद

के सेक्टर-79 स्थित रॉयल रेजीडेंसी में परिवार समेत रहती हैं। वह नूंह के पुन्हाना में बीडीपीओ के पद पर तैनात हैं। इसके अलावा उनके साथ गिरफ्तार ठेकेदार हीरालाल मूलरूप से यूपी के रायबरेली का रहने वाला है। उसे गांव मुजेड़ी से गिरफ्तार किया गया है। इनके खिलाफ बल्लभगढ़ सदर थाना में 16 अक्टूबर 2022 को धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप था कि फरीदाबाद के ग्राम पंचायत मुजेड़ी नौ अक्टूबर 2020 बनाए गए कार्यवाहक सरपंच ब्रहमपाल ने ग्राम सचिव जोगेन्द्र और बीडीपीओ पूजा शर्मा के साथ मिलकर बिना किसी अनुमति के फर्जी विकास कार्य का खाका तैयार किया। साथ ही करीब 22 करोड़ रुपये का गबन किया। इसमें 17 करोड़ 14 लाख रुपये की अदायगी विभिन्न फर्म में की गई। हीरालाल नामक ठेकेदार और तत्कालीन सरपंच के साथ मिलीभगत से 23 लाख का गबन किया। खातों से रुपयों की प्राप्ति की गई। एसीबी के अनुसार, जांच में यह भी पाया कि धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज होने के बाद ग्राम पंचायत मुजेड़ी के सभी बैंक खातों को बंद कर दिया गया था। लेकिन आरोपी पूजा शर्मा द्वारा बंद बैंक खातों को बिना कोई अनुमति के अपने स्तर पर खुलवा दिया। साथ ही उससे एक फर्म को भुगतान किया गया। इसके अलावा पूजा शर्मा ने ग्राम पंचायत के बैंक खाते से सवा नौ लाख रुपये भी निकाले। एसीबी से मिली जानकारी के अनुसार, बल्लभगढ़ सदर थाना में मुकदमा दर्ज होने के बाद जांच एसीबी को सौंपी गई। जांच में पाया कि पूजा शर्मा ने तिगांव में खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी रहते हुए ग्राम पंचायत मुजेड़ी के तत्कालीन कार्यवाहक सरपंच ब्रहमपाल व अन्य फर्म मालिकों के साथ मिलकर अपने पद का दुरुपयोग किया। साथ ही बिना कोई एस्टीमेट पास करवाए गांव में फर्जी विकास कार्य दिखलाकर भिन्न फर्म मालिकों के बैंक खातों में लगभग 28 करोड़ रुपये का भुगतान किया।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से युवक की मौत

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। मंगलवार की देर रात्रि को अज्ञात वाहन की चपेट में आने से ग्राम बनखेड़ी निवासी युवक की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। बताया जाता है कि बाइक सवार युवक प्रशांत 21 वर्ष अपने घर जा रहा था। इस दौरान फुलसन्दे के पास उसकी बाइक में अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक घायल अवस्था में सीएचसी में भर्ती कराया। जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

आजाद समाज पार्टी की खानपुर में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷। विधानसभा के गाँव खानपुर में आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। बैठक ओमवीर सिंह बोध के नेतृत्व में हुई। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में चेयरमैन साहनपुर एवं मुरादाबाद मण्डल प्रभारी खुर्शीद मंसूरी मौजूद रहे। इस दौरान आगामी 2027 के चुनाव को लेकर पार्टी को मजबूत करने पर जोर दिया गया।कार्यक्रम में भीम आर्मी ज़िला अध्यक्ष प्रशांत महासागर, सुखवीर प्रधान, रजत कुमार, सांसद प्रतिनिधि फहीम अंसारी, विधानसभा अध्यक्ष अशोक कुमार समेत अन्य कार्यकर्ता व गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

बिना हेलमेट पेट्रोल वितरण पर उठे सवाल

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷। नूरपुर-धामपुर रोड स्थित नींदड़ इलाके में एक पेट्रोल पंप पर बिना हेलमेट लगे दोपहिया चालकों को पेट्रोल दिए जाने की बात सामने आई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यह व्यवस्था सरकार द्वारा बनाए गए सुरक्षा नियमों के विपरीत है। मौके पर मौजूद पत्रकारों ने जब पेट्रोल पंप कर्मचारी से इस विषय में जानकारी लेनी चाही तो उन्हें स्पष्ट जवाब नहीं मिला। वहीं पंप स्वामी से दूरभाष पर संपर्क साधने का प्रयास किया गया, लेकिन बातचीत नहीं हो सकी। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की स्थिति सड़क सुरक्षा नियमों को कमजोर करती है। अब देखना यह होगा कि संबंधित विभाग और अधिकारी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के अनुपालन में क्या कदम उठाते हैं।

वार्ड 24 में चलाओ विशेष जन जागरूकता अभियान

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। नगर पालिका ने वार्ड नंबर 24 में जन जागरूकता अभियान चलाते हुए वार्ड वासियों को गीला व सूखा कूड़ा अलग अलग करने के लिए जागरूक किया गया तथा कूड़ेदान वितरित किए गए। प्राप्त समाचार के अनुसार बुधवार को नगर पालिका नहटौर ने वार्ड नंबर 24 में जन जागरूकता अभियान चलाया। जिसमें लोगो को गीला ओर सूखा कूड़ा अलग अलग करने ओर गीले कूड़े से खाद बनाने के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही वार्ड वासियों को गीला व सूखा कूड़ा अलग करने के लिए कूड़ेदान वितरित किए गए। इस मौके पर सभासद पति मास्टर शराफत अल्वी, सफाई प्रभारी शाहजेब आलम, मो अकरम,सलीम अहमद, गौरव त्यागी, हुजैफा, नरेंद्र,सुमित, आदि उपस्थित रहे।

कार की टक्कर से स्कूटी सवार महिला की मौत, दो घायल

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷। कार के स्कूटी को टक्कर मारने की घटना में दोपहिया वाहन पर एक महिला की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार यह घटना मंगलवार को थाना सेक्टर-24 क्षेत्र में प्रकाश अस्पताल के अंडरपास के पास उस समय हुई जब गाजियाबाद निवासी चंदन सिंह, अपनी बहू दिव्या और पोते के साथ स्कूटी से कहीं जा रहे थे तभी एक कार ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि कार को एक महिला चला रही थी। थाना प्रभारी विद्युत गोयल ने बताया कि हादसे में स्कूटी सवार तीनों लोग घायल हो गए। चंदन सिंह और उनके पोते को मेट्रो अस्पताल और दिव्या को कैलाश अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि इलाज के दौरान दिव्या की मौत हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

फ्लैट का ताला तोड़कर चोरी

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷। घर का ताला तोड़कर चोर लैपटॉप, नकदी समेत अन्य सामान चोरी कर ले गए। सेक्टर-20 थाने में दी शिकायत में पीके ने बताया उनका सेक्टर-27 में फ्लैट है। वह तीन सितंबर को दफ्तर गए और शाम सात बजे जब घर आए तो देखा दरवाजे का लॉक टूटा हुआ था। कमरे में जाने के बाद पता चला कि कीमती सामान गायब थे। पीड़ित ने एक बैग में लैपटॉप और अपने दश्तावेज रखे थे। इसे बदमाश चोरी कर ले गए। शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज किया है।

मुकदमे में फैसला न करने पर धमकी दी

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। जेवर के चौरोली गांव में रहने वाले व्यक्ति ने दंपति पर पुराने मुकदमे में फैसला न करने पर धमकी देने का आरोप लगाया। पुलिस दंपति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है। पीड़ित किशन सिंह ने पुलिस को बताया कि गढ़ी समश्तीपुर गांव के सोनू से कुछ दिनों पहले उनका विवाद हुआ। उन्होंने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आरोप है की जेल से जमानत पर छूटने के बाद आरोपी मुकदमे में फैसला करने का दबाव बन रहा है। पत्नी और बेटों को भी फोन कर धमका रहा है।

एमिटी में पर्पल फेयर कार्यक्रम का आयोजन

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷। एमिटी विश्वविद्यालय में बुधवार को दिव्य जन, दिव्य आशा विषय पर पर्पल फेयर का आयोजन किया गया। इसमें दिव्यांगों के लिए कार्य करे उद्यमियों, गैर-सरकारी संगठनों, दिव्यांगजन शैक्षणिक संस्थानों और सेक्टर एवं स्कूलों द्वारा 16 स्टॉल लगाए। वहीं, कार्यक्रम में 130 से अधिक विशेष बच्चों सहित उनके अभिभावकों, उद्यमियों, संस्थानों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर दिव्यांग छात्रों द्वारा बनाये गई चित्रों को प्रदर्शन भी किया गया।

पेट्रोल पंपों पर बिना हेलमेट पहुंचे 150 चालकों का चालान

परिवहन विभाग की ओर से चलाये जा रहे जांच अभियान में पकड़े गए

✷एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

जिले के पेट्रोल पंपो पर बिना हेलमेट तेल लेने पहुंचे करीब 150 चालकों का चालान किया गया है। परिवहन विभाग की प्रवर्तन टीम द्वारा बीते 15 दिनों से चलाए जा रहे जांच अभियान में यह कार्रवाई की गई है।

अभियान के शुरुआती दिनों में चालकों को जागरुक किया गया था। जिले में नो हेलमेट नो फ्यूल लागू कर दिया गया है। प्रदेश के परिवहन आयुक्त बीएन सिंह के आदेश पर सड़क सुरक्षा के तहत यह अनिवार्यता की गई है।

इसके तहत जिला प्रशासन, पुलिस और यातायात पुलिस की टीम पेट्रोल पंपों पर जांच अभियान चला रही है। एआरटीओ प्रवर्तन डॉ. उदित नारायण पांडे ने कहा कि पेट्रोल पंपों पर जांच अभियान चलाया जा रहा है।

इसमें अभी तक लगभग 18 पेट्रोल पंप पर जांच की गई है। लोगों को जागरुक करने के साथ ही बिना हेलमेट पेट्रोल पंप पर पहुंचने चालान किए जा रहे हैं। प्रत्येक चालक का एक हजार रुपये का चालान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दोपहिया वाहन चालक हेलमेट की अहमियत को समझे और इसे जरूर पहने।

मृत्यु दर 37 फीसदी तक बढ़ सकती है

आरटीओ प्रशासन डॉ. सियाराम वर्मा ने कहा कि हेलमेट न पहनना एक गंभीर लापरवाही है, जिसके खतरनाक परिणाम हो सकते हैं। यह न सिर्फ कानून का उल्लंघन है, बल्कि यह व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा भी है, जिससे जान का जोखिम बढ़ जाता है और चोटें भी गंभीर होती हैं।

हेलमेट न पहनने से सिर में गंभीर चोटें लगती हैं और मृत्यु का जोखिम कई गुना बढ़ जाता है। अध्ययनों के अनुसार, हेलमेट न पहनने से मृत्यु दर 37 फीसदी तक बढ़ सकती है, जबकि हेलमेट पहनने से मृत्यु का जोखिम 41 फीसदी तक कम हो जाता है। दुर्घटना में चेहरे की चोट, जैसे फ्रैक्चर और स्थायी विकृति का खतरा भी बढ़ जाता है।

हेलमेट नहीं पहना था, गई जान- 02 अगश्त 2025-गोल्फ कोर्स मेट्रो स्टेशन के पास सुबह एक यात्री द्वारा अचानक खोले गए कैब के दरवाजे से टकराने के बाद 26 वर्षीय बाइक सवार की मौत हो गई थी।

बुलंदशहर निवासी और नोएडा में रहने वाले विवेक कुमार ने हेलमेट नहीं पहना हुआ था। 17 फरवरी 2024-दिल्ली पर्यटन विहार के आशीष सिसौदिया और बरेली की धैर्य लक्ष्मी जोशी आइएनरजाइजर नामक बीपीओ कंपनी में एग्जीक्यूटिव के पद पर कार्य करते थे। दोनों बाइक पर सवार होकर गौर सिटी जा रहे थे। दोनों जब पर्थला फ्लाईओवर के 500 मीटर आगे हिंडन के पास पहुंचे तभी अज्ञात वाहन के चालक ने इनकी बाइक में टक्कर मार दी थी। हादसे में दोनों की मौत हो गई थी।

दादरी से तीन किशोर लापता, परिजनों ने जताई अपहरण की आशंका

✷एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

दादरी थाना क्षेत्र के आमका गांव से मंगलवार को तीन किशोर लापता हो गए और परिजनों ने उनके अपहरण का संदेह जताया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है।

दादरी थाने के प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि गांव आमका के रहने वाले अवनीश, ललन और अमरपाल के 12 से 14 वर्ष की आयु के तीन बच्चे मंगलवार शाम के समय गांव की चौपाल पर खेल रहे थे। तीनों बच्चे जब रात तक घर नहीं पहुंचे तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि बच्चों को कोई गिरोह उठाकर ले गया है। बच्चों के लापता होने से आक्रोशित ग्रामीणों ने गांव की चौपाल पर इकट्ठा होकर हंगामा करना शुरू कर दिया। कुमार ने बताया कि ग्रामीणों को समझा-बुझाकर शांत करवाया गया।

उन्होंने बताया कि पुलिस सर्विलांस विधि और सीसीटीवी कैमरे की सहायता से घटना की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि 14 वर्ष की आयु के एक बच्चे ने अपने घर में रखा एक गुल्लक तोड़ा है और उसमें रखा हुआ पैसा लेकर गया है। पुलिस को आशंका है कि तीनों बच्चे कहीं एक साथ घूमने-फिरने के उद्देश्य से घर से निकल गए हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

कार की टक्कर से स्कूटी सवार महिला की मौत

✷एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

सेक्टर-24 थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह हुए सड़क हादसे में स्कूटी सवार महिला की मौत हो गई। मृतका के ससुर ने कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

गाजियाबाद की खोड़ा कॉलोनी निवासी चंदन सिंह ने पुलिस को बताया कि नौ सितंबर की सुबह 11 बजे वह स्कूटी लेकर सेक्टर-35 स्थित अस्पताल आ रहे थे। स्कूटी पर उनके साथ पुत्रवधु दिव्या और उसका दो साल का पुत्र जियांश भी बैठा था। प्रकाश अस्पताल स्थित अंडरपास के निकट एक महिला कार चालक ने लापरवाही से स्कूटी में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही तीनों लोग सड़क पर गिरकर घायल हो गए।

दिव्या के मुंह से खून बहने लगा। स्थानीय लोगों ने पुलिस की मदद से तीनों को मेट्रो अस्पताल पहुंचाया। यहां उपचार के दौरान दिव्या की मौत हो गई। थाना प्रभारी निरीक्षक का कहना है कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। कार नंबर के आधार पर आरोपी महिला की पहचान की जा रही है।

भाकियू महाशक्ति के आमिर पठान बने जिला अध्यक्ष

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

भाकियू महाशक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अफजलगढ़ निवासी आमिर पठान को जनपद बिजनौर से जिला अध्यक्ष पद की कमान सौप कर संगठन को मजबूत बनाने पर भरोसा जताया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भारतीय किसान यूनियन (महाशक्ति) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर धर्मेंद्र सिंह ने बुलंदशहर स्थित राष्ट्रीय कार्यालय में एक बैठक के दौरान कार्यकारिणी का विश्तार करते हुए जनपद बिजनौर से अफजलगढ़ के मोहल्ला गौहर अली खां निवासी आमिर पठान को जिला बिजनौर की कमान सौप कर उन पर भरोसा जताया।

राष्ट्रीय कार्यकाल कार्यालय में मौजूद सभी कार्यकर्ताओं द्वारा उनका फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया गया इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन महाशक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर धर्मेंद्र सिंह मौजूद पदाधिकारीयों व कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उनसे एकजुट होकर किसानों की लड़ाई लड़ने की आवाहन करते हुए एकजुट होने का गुण मंत्र दिया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया कि इस देश में सबसे ज्यादा लोग खेती का कार्य करते हैं अगर हमारे देश का किसान मजबूत रहेगा तो हमारा देश भी मजबूत रहेगा। उन्होंने अपने संगठन के सभी कार्यकर्ताओं से किसाने की समस्याओं को शासन के सामने लाने का आह्वान करते हुए उनका निश्तारण शीघ्र से शीघ्र करवाने की कार्यकर्ताओं से अपील की। उन्होंने जिला बिजनौर में आमिर पठान को कमान सौंप कर एक बड़ी जिम्मेदारी दी है जिला अध्यक्ष आमिर पठान ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा दी गई जिम्मेदारी को वह ईमानदारी से निभाऊंगा और जिले में किसानों की समस्याओं को उजागर कर उनकी समस्या को शीघ्र से शीघ्र निश्तारण करने का प्रयास किया जाएगा। इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह राष्ट्रीय, सचिव अशरफ अली जिला अध्यक्ष आमिर पठान, जिलाध्यक्ष अमरोहा इशरत अली, शेख मौहम्मद यूसुफ, मौहम्मद नदीम, नासिर खान, अरशद खान, मौहम्मद शहजाद आलम आदि कार्यकर्ता भारी संख्या में मौजूद रहे।

मंगलवार को नहटौर में श्री जी की भव्य गजरथ यात्रा शोभायात्रा निकालते हुए श्रद्धालु

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

दशलक्षण पर्व के समापन पर नहटौर में श्री जी की गजरथ शोभायात्रा भव्यता के साथ निकाली गई। कई स्थानो पर श्रद्धालुओं ने श्री जी का पूजन किया। पांडूशिला पर सौधर्म इंद्र बने अजय जैन द्वारा श्री जी का जलाभिषेक किया गया।

मंगलवार को श्री दिगंबर जैन मंदिर से श्रीजी की शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ। पंडित सन्मति जैन द्वारा भगवान महावीर जी की विशेष पूजा-अर्चना कराई गई। शोभायात्रा से पूर्व मंदिर परिसर में बोली कार्यक्रम आयोजित हुआ।

जिसमें सौधर्म इंद्र की बोली अजय जैन पुत्र रामभरोसे जैन तथा कुबेर की बोली अनुराग जैन,ऐरावत की बोली पारस जैन,सारथी की बोली सुनील जैन ने प्राप्त की। आर्यिका श्री 105 निसर्ग मति माता जी के आशीर्वाद से बैंडबाजों के साथ भव्य गजरथ शोभायात्रा श्रीजी मंदिर से प्रारंभ होकर मुख्य बाजार, एजंसी चौराहा होते हुए जैन विद्या मंदिर इंटर कॉलेज पहुंची।

जहां पर स्थित पांडूशिला पर सौधर्म इंद्र अजय जैन एवं श्रद्धालुओं द्वारा श्री जी का जलाभिषेक किया गया और सुख समृद्धि की कामना की गई।

शोभायात्रा में शामिल विभिन्न झांकियां आकर्षण का केंद्र रही। कई स्थानों पर श्री जी की पूजा-अर्चना हुई और श्रद्धालुओं द्वारा श्री जी की गजरथ यात्रा में जय घोष लगाये। श्रद्धालु भगवान महावीर का गुणगान करते हुए चल रहे थे।

ब्लॉक परिसर में हुई भा. किसान संघ की बैठक

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

ब्लॉक परिसर में भारतीय किसान संघ की बैठक हुई। इसमें किसानों की विभिन्न समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया। समापन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित ज्ञापन बीडीओ प्रताप सिंह को सौंपा गया।

इसमें रवी की फसल से पूर्व खाद एवं बीज की आपूर्ति सुनिश्चित कराने, नकली कीटनाशक, खाद व खराब बीज पर नियंत्रण के लिए अधिकारी को निर्देशित करने, गांगन व बान नदी में आये उफान के कारण फसल हानि का सर्वे कराकर उचित मुआवजा दिलाने, आगामी गन्ना पेराई सत्र को समय से आरम्भ कराने, गन्ने का भाव 500 रुपये प्रति कुंतल पर्ची पर अंकित कराने, निराश्रित पशुओं व जंगली जानवरों की समस्या का उचित व स्थाई समाधान निकालने की मांग की गई है।

बैटरी बनाने वाली फर्म से दो करोड़ की जीएसटी वसूली

✷एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

राज्य जीएसटी विभाग गौतमबुद्ध नगर की विशेष अनुसंधान शाखा ने नौ सितंबर को सेक्टर 57 स्थित एक फर्म पर छापा मारा।

जांच में पता लगा कि फर्म ने गलत तरीके से दो करोड़ रुपये से अधिक का इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) ले लिया था। फर्म से वसूला से यह राशि वसूली गई है।

अपर आयुक्त राज्यकर ग्रेड टू गौतमबुद्ध नगर विवेक आर्य ने कहा कि फर्म लीथियम आयन बैटरी और पावर बैंक के निर्माण और बिक्री का काम करती है। जांच में पता लगा कि फर्म द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 में 2.57 करोड़ रुपये से अधिक की आईटीसी का लाभ ले लिया गया।

जांच के दौरान भौतिक सत्यापन पर उपलब्ध माल का स्टॉक घोषित स्टॉक से 6.63 लाख रुपये कम पाया गया। तथ्यों से अवगत कराने पर फर्म ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए 2.57 करोड़ रुपये से अधिक धनराशि राजकोष में जमा की है।

जांच में संयुक्त आयुक्त राज्यकर अलोक कुमार, उपायुक्त निखिल बाजपेई, सहायक आयुक्त अजय कुमार श्रीवास, राज्यकर अधिकारी कृष्ण नारायण शर्मा, राघवेंद्र प्रताप सिंह और प्रशासनिक अधिकारी सुनील कुमार मौजूद रहे।

जैन स्थानक की ई- नीलामी को डीआरटी कोर्ट ने रोका

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

कविनगर स्थित जैन धर्म स्थानक (मंदिर) की ई-नीलामी पर डेब्ट्स रिकवरी टिब्यूनल-प्रथम (डीआरटी) कोर्ट ने रोक लगा दी है। न्यायालय के राहत भरे आदेश पर जैन समाज ने खुशी जाहिर की है।

मंदिर की नीलामी को लेकर जैन समाज ने सांसद से लेकर प्रधानमंत्री तक पत्र लिखे थे और नीलामी रोकने की मांग की थी। कविनगर के जैन धर्म स्थानक (मंदिर) को 12 सितंबर को ई-बोली के माध्यम से नीलाम करने की घोषणा पंजाब नेशनल बैंक की ओर से की गई थी। इसका जैन समाज विरोध कर रहा है। 12 साल पहले फर्म की गारंटी के रूप में स्थानक की जमीन के कागजात बैंक में गिरवी रखकर करोड़ों का लोन लिया गया था।

इसका मामला भी सीबीआई ने पंजीकृत किया था। मामला अदालत में विचाराधीन हैं। बैंक की नीलामी के विरोध कर रहे जैन समाज की संघर्ष समिति के संयोजक डॉ.अतुल कुमार जैन ने बताया कि स्थानक पिछले लगभग 35 वर्षों से भी अधिक समय से चल रहा है। चातुर्मास में उत्तर भारतीय प्रवर्तक सुभद्र मुनि महाराज और अमित मुनि महाराज चतुर्मास में ठहरे हैं। रोजाना धार्मिक क्रियाएं, णमोकार मंत्र का जाप, सामायिक और गुरुओं के प्रवचन(सत्संग), संस्कारों की शिक्षा ,धर्म सभाएं, मंगल पाठ इत्यादि चलते हैं।

ऐसे में नीलामी को रोका जाना चाहिए। सांसद अतुल गर्ग, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखे गए। इनके पत्र का हवाला देकर जैन समाज की ओर से दिल्ली की ने डेब्ट्स रिकवरी टिब्यूनल-प्रथम कोर्ट में वकील के माध्यम से वाद दायर किया गया। सुनवाई के बाद अदालत ने 12 सितंबर की ई-बोली पर रोक लगा दी है और स्थानक की वीडियोग्राफी कराने के साथ बैंक को भी अपना हलफनामा दाखिल करने के आदेश दिए हैं।

थाना प्रभारी ने रामलीला का फीता काटकर किया उद्घाटन

मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के आदर्शो पर चलने का आह्वान किया मनोज बाल्मीकि

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थाना प्रभारी संजय कुमार ने मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के आदर्शो ओर संस्कारों पर चलने का आवाहन किया है।

वो मंगलवार की रात को मंडी मोलगंज स्थित रामलीला मैदान पर फिता काटकर रामलीला का उद्घाटन करने के बाद श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे।

श्री लोकेश्वर नाथ जी मंदिर एवं रामलीला कमेटी के तत्वाधान में गत वर्षो की भर्ती इस वर्ष भी रामलीला आयोजित हुई। मुख्य अतिथि थाना प्रभारी संजय कुमार ने कहा कि आदि महर्षि वाल्मीकि द्वारा लिखी रामायण मैं मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम का प्रदर्शन समाज को सीख देता है।

उन्होंने कहा की भगवान श्री राम ने अपने पिता की आज्ञा का पालन कर 14 वर्षों के लिए वनो को गये लेकिन पिता की आज्ञा का उल्लंघन नहीं किया जब की मर्यादा पुरुषोत्तम राम दशरथ के सबसे चेहेते पुत्र थे,जहां श्री राम को ही सभी रानियां सबसे प्रिय पुत्र मानती थी, वही अयोध्यावासी भी श्री राम को अपनी आंखों का तारा मानते थे।

इसलिए क्योंकि भगवान राम ने कभी किसी के साथ ऊंच-नित जात-पात का भेद नहीं समझा जब मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम वांकल पहनकर वनों को जा रहे थे तो अयोध्या में सन्नाटा छा गया था जैसे खुशी अयोध्या वासियों से रूठ गई हो हमें ऐसे ही संस्कारवान बना है ताकि हर किसी की आंख का तारा बन सके।

अपने संबोधन में वरिष्ठ पत्रकार मनोज वाल्मीकि ने उन पलों को दोहराया जब दशरथ के आदेश पर भगवान राज को राजतिलक होने जा रहा था लेकिन कुछ ही छोड़ो से पहले उन्हें पिता दशरथ ने भगवान राम को अपने कक्ष में बुलाया और कहा के है राम तुम्हें राज तिलक नहीं 14 वर्षों का बनवास देता हूं यह कहकर पिता दशरथ फूट फूट कर रोने लगे फिर भी मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम ने पिता के आदेश की मान मर्यादा रखते हुए जरा भी अफसोच क्रोध नहीं किया और वंकल पहनकर वनों को चलने लगे तभी सती और पतिव्रता जानकि सीता माता और लक्ष्मण जैसा आदर्श और संस्कारवान भाई वो वांकल पहन श्री राम के साथ चल दिए थे।

आज हमें लक्ष्मण जैसा भाई और सीता जैसी पत्नी बना है और यह तभी होगा जब हम अपने-अपने घरों में रामायण, भागवत कथा, या गीता पाठ परिवार के साथ बैठकर करें और मोबाइल को बाय-बाय कहे।

उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति और रिश्ते नातो का सबसे बड़ा दुश्मन मोबाइल है। जिसने सारे मानवता, संस्कारों, मूल्यवान रिश्ते नातो के कलचर को नष्ट कर दिया और कर रहा है। इसलिए सामाजिक मानवता और इंसानियत को बचाए रखने के लिए आने वाली नस्लों को मोबाइल फोन से बचाना है। उन्होंने भगवान राम के आदर्शों पर रोशननी डालते हुए कहा कि राम की आदर्श और संस्कार दुनिया को सीख देते हैं इसलिए हमें भी राम के संस्कारों पर चलना चाहिए। यही रामायण और श्री राम को मानने का मूल मंत्र है।

उत्पल कुमार राजपूत के संचालन में आयोजित विचार गोष्ठी में रामलीला कमेटी अध्यक्ष विमल कुमार, नवीन कुमार, आदित्य गर्ग, राजीव अग्रवाल उर्फ राजू, आलोक चौधरी, देवेंद्र कुमार, अतुल मित्तल, प्रदीप मल्होत्रा, राजीव अग्रवाल, विवेक राजवंशी, राजन अग्रवाल, अन्ना कुमार, लक्ष्मण सैनी, लकी शर्मा, आनंद भारद्वाज, अनूप टायल, जितेंद्र शर्मा, सचिन शर्मा, रिटायर्ड दरोगा जयपाल सिंह वाल्मीकि, मनोज गुप्ता, शुभम गुप्ता, सुधीर कुमार, अभय चौधरी, प्रखर जैन, मनोज शर्मा आदि ने मुख्य अतिथि थाना प्रभारी संजय कुमार का फूल मालाओं से स्वागत किया और उनसे रामलीला मंचन के रहते पुलिस व्यवस्था देने की अपील की जिसे पूरा करने के लिए थाना प्रभारी संजय कुमार ने पूर्ण आवास पसंद दिया।

छापा मारी में प्रतिबंधित पोलोथिन प्लास्टिक डिस्पोजल सामान बरामद

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

अधिशासी अधिकारी ओम गिरी के नेतृत्व में नगर पालिका परिषद की टीम ने मंगलवार को मो.नौधा स्थित गोदाम में छापामारी की।

इस दौरान उन्होंने गोदाम से बडी मात्रा में प्रतिबंधित पोलोथिन, प्लास्टिक डिस्पोजल सामान बरामद किया। उन्होंने सामान को जब्त करते हुए गोदाम स्वामी से 25000 का जुर्माना वसूला। टीम में अतुल राज, शाहजेब आलम, रमेश चंद, सलीम, गौरव त्यागी, सहदेव, दिपांकर आदि शामिल रहे। अनूप बाल्मीकि ने हिंद चैरिटेबल सेंटर का फीता काटकर उद्घाटन किया

नगर नगीना बुधवार को आजाद कॉलोनी लाइनपार में भारतीय जनता पार्टी के मण्डल मंत्री जितेंदर राठी (सिट्टू) अभिषेक व समश्त क्षेत्र वासियों के सहयोग से के भारतीय जनता पार्टी के मण्डल मंत्री जितेंदर राठी (सिट्टू) के आवास पर हिन्द चैरिटेबल बल्ड बैंक बिजनौर द्वारा आयोजित रक्त दान शिविर का भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय मंत्री अनूप बाल्मीकि ने फीता काटकर उद्धघाटन किया। भाजपा मंत्री ने डॉ. अतुल कुमार यादव एम. एस आथोपेतिक को बताया की आप बहुत ही अच्छा कार्य कर रहे हो साथ मे ही मण्डल मंत्री जितेंदर राठी (सिट्टू) जी को भी बताया आप मुख्यमंत्री जी के बताये हुवे राश्ते पर चल रहे है जैसा की इंसान के लिए हेलमेट बहुत जरूरी है।

आप ब्लड डोनेट करने वालों को उनकी सुरक्षा के लिए हेलमेट देकर बहुत अच्छा काम कर रहे हो भारतीय जनता पार्टी पश्चिम क्षेत्र मंत्री श्री अनूप बाल्मिकि जी के साथ मे निवर्तमान मण्डल अध्यक्ष नीरज विश्नोई जी , मण्डल उपाध्यक्ष सोहन सैनी , मण्डल मंत्री अतुल भारती , मण्डल मंत्री जितेंदर राठी ,महेश्वरी ग्रामीण मण्डल मंत्री दयानन्द सैनी आदि सैंकड़ो व्यक्ति उपस्थित रहे।

एडीओ के न मिलने पर कार्यालय में जड़ा ताला

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट की बैठक आयोजित हुई। समस्या बताने

पहुँचे किसानों को एडीओ पंचायत अपने कार्यालय में नही मिले। जिस पर किसानों ने कार्यालय का ताला लगा दिया। खडं विकास अधिकारी को ज्ञापन देकर समस्या के समाधान की मांग की।

मंगलवार को ब्लॉक परिसर मे आयोजित बैठक मे संगठन को मजबूत करने का आवाहन करते हुए। किसानों की समस्याओं पर चर्चा हुई।

उन्होंने निराश्रित गोवंश द्वारा किए जा रहे फसलों का नुकसान को लेकर चिंता जताई। जल विभाग द्वारा तोड़ी गई सड़के को ठीक करने तथा स्मार्ट मीटर ना लगाने आदि की मांग की।

बताया जाता है कि किसान गाँवो की सफाई व्यवस्था आदि को लेकर एडीओ पंचायत के कार्यालय पहुंचे। जहा पर कोई नही मिला।

जिस पर किसानों ने कार्यालय पर ताला लगा दिया। बैठक ब्लॉक अध्यक्ष मुनेश कुमार, राजेंद्र सिंह, मा. विजयपाल सिंह, रिंकू राठी, सुजीव कुमार, मो. फारूक, जगत सिंह आदि पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने बैठक में भाग लिया।

संपादकीय

धार्मिकता का ढोंग और मृत संवेदनायें

हमारा भारत वर्ष कृषि प्रधान होने के साथ साथ 'धर्म प्रधान' देश भी माना जाता है। यहाँ सुबह चार बजे से ही विभिन्न धर्मों के लोग अपने अपने आराध्य को ख़ुश करने के 'मिशन' में अपने अपने तरीक़े से जुट जाते हैं। धर्मस्थलों में लगे लाउडस्पीकर ब्रह्म मुहूर्त में ही देशवासियों को अपने अपने आराध्य व अपने देवालयों की ओर आकर्षित करने लगते हैं।

इसके अलावा भी देश भर में निकलने वाले विभिन्न धर्मों के धार्मिक जुलूस, शोभा यात्रायें, सत्संग में होने वाले संतों के प्रवचन, धर्म जागरण के नाम पर चलने वाले अनेक अतिवादी मिशन, कांवड़ जैसी यात्रायें महाकुंभ जैसे विश्वस्तरीय आयोजन, तीर्थ स्थलों में इकट्ठी होने वाली भक्तों की अनियंत्रित भीड़ आदि को देख कर तो एक बार यही लगेगा कि हर समय श्रद्धा व भक्ति भाव में डूबे रहने वाले हमारे धर्म प्रधान देश के लोग बेहद धार्मिक, संवेदनशील और मानवता की क़द्र करने वाले लोग होंगे। रोज़ाना जगह जगह लगने वाले लंगर, देश भर में संचालित हो रही अनेकानेक जनसेवी संस्थायें भी इसी बात का एहसास दिलाती हैं।

परन्तु इसी 'धर्म प्रधान देश' से जहां मानवता की मिसाल पेश करने वाले अनेकानेक क़िस्से सुनाई देते हैं वहीँ कुछ घटनायें ऐसी भी सामने आती हैं जिन्हें सुनकर ऐसा लगता है गोया इसी भारतीय समाज के ही कुछ लोगों की संवेदनायें बिल्कुल ही मुर्दा हो चुकी हैं।

ऐसे लोगों में इंसानियत नाम की चीज़ ही नहीं बची है। दिल दहला देने वाली ऐसी ही एक घटना पिछले दिनों उत्तर प्रदेश राज्य के महराजगंज ज़िले में स्थित नौतनवा क़स्बे में पेश आई। भारत-नेपाल सीमा पर स्थित नौतनवा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के शहर गोरखपुर से लगभग 87 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इस पूरे पूर्वांचल क्षेत्र में धर्म ध्वजा पूरे वेग से लहराती है। इसी नौतनवा नगर पालिका के अंतर्गत राजेंद्र नगर वॉर्ड से एक बड़ा ही हृदयविदारक दृश्य सामने आया। इस ताज़ातरीन घटना ने तो इंसानियत को झकझोर कर रख दिया।

समाचारों के अनुसार रेहड़ी ठेले पर गली गली चूड़ियां बेचकर अपने परिवार का पालन पोषण करने वाले 50 वर्षीय लव कुमार पटवा नामक एक व्यक्ति का लंबी बीमारी के बाद देहांत हो गया। लव कुमार की पत्नी का निधन भी अभी मात्र छह माह पहले ही हुआ था। अब उसके परिवार में उसके दो बेटे 14 वर्षीय राजवीर व 10 वर्षीय देवराज तथा एक छोटी बेटी बचे थे। अब इन्हीं बच्चों पर अपने मृत पिता के अंतिम संस्कार की ज़िम्मेदारी थी। उसका कोई भी रिश्तेदार या पड़ोसी अंतिम संस्कार करने के लिये सामने नहीं आया। बच्चों की दादी आई भी तो रो पीट कर वापस चली गयी।

बच्चे अंतिम संस्कार करने या उसके लिये सहायता करने की भीख समाज से मांगते रहे। यहाँ तक कि तीन दिन तक लाश घर में सड़ती रही। ज़रा सोचिये कि क्या गुज़र रही होगी उन मासूम बच्चों पर जब वे अपने बाप की रेहड़ी पर ही अपने बाप की सड़ी हुई लाश रखकर लोगों से अंतिम संस्कार हेतु पैसे मांगते फिर रहे होंगे?

जब यह बच्चे ठेले पर लाश लेकर श्मशान घाट पहुंचे तो बताया गया कि वहां जलाने हेतु लकड़ी नहीं है। और फिर जब यह बेगुनाह मासूम अपने बाप के शव को लेकर क़ब्रिस्तान पहुंचे तो क़ब्रिस्तान वालों ने यह कहकर लाश को दफ़्न करने से मना कर दिया कि यह शव हिन्दू का है।

आख़िरकार बच्चे लाश को ठेले पर रखकर सड़क पर खड़े होकर रोने बिलखने लगे। कोई दुर्गन्ध से अपनी नाक बंद कर गुज़र जाता तो कोई उन बदनसीब बच्चों की फ़ोटो खींचता या वीडियो बनाता परन्तु मदद करने के लिये 'धर्म जागृत समाज' का कोई भी व्यक्ति सामने न आता। हद तो यह है कि ठेले पर शव रखा देखने व मृतक लव कुमार के स्थानीय व्यक्ति होने के बावजूद कुछ लोग यह कहकर आगे बढ़ जाते कि 'यह भीख मांगने का नया ट्रेंड है'! इसी दौरान यह मायूस बच्चे जब अपने बाप की लाश को ठेले पर ढकेलते हुये नदी की ओर रोते बिलखते जा रहे थे तभी राहुल नगर वार्ड के निवासी रशीद क़ुरैशी की नज़र उन बच्चों व उनके साथ दुर्गन्ध मारती लाश पर पड़ी।

बच्चों ने रोते बिलखते अपनी सारी पीड़ा रशीद से सांझी की। रशीद ने तुरंत अपने भाई व उसी राहुल नगर (वार्ड 17) के पार्षद वारिस क़ुरैशी को फ़ोन पर पूरी घटने की जानकारी दी। उसके बाद दोनों क़ुरैशी बंधुओं ने सर्वप्रथम उन रोते बच्चों को ढारस बंधाई और उन्हें संभाला। उसके बाद अंतिम संस्कार हेतु लकड़ी व आवश्यक सामग्री का प्रबंध किया। फिर समाज के कुछ लोगों को साथ लेकर शमशान घाट जाकर हिन्दू रीति रिवाज के साथ मृतक का अंतिम संस्कार कराया।

आज उस इलाक़े के लोग मानवता की रक्षा करने वाले क़ुरैशी भाइयों की इंसानियत को जहाँ सलाम कर रहे हैं, वहीँ उनके रिश्तेदारों और पड़ोसियों की बेरुख़ी तथा नगर पालिका की लापरवाही पर भी घोर ग़ुस्सा जता रहे हैं। साथ ही उस इलाक़े के 'हिन्दू जागरण अभियान' में जुटे लोगों को भी कटघरे में खड़ा कर रहे हैं।

पिछले दिनों ऐसा ही एक चित्र जिसे पंजाब की बाढ़ से संबंधित बताया जा रहा है, सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इस चित्र में एक मासूम बच्चा बाढ़ के पानी में अपनी मां की तैरती लाश को खींच रहा है। शायद इस उम्मीद से कि उसकी मां मरी नहीं है। इस मार्मिक दृश्य को देखने वाले लोग आगे बढ़कर बच्चे को गोद उठाने व उसकी मां की लाश को पानी से बाहर निकालने में मदद करने के बजाय मोबाइल से इस दृश्य का वीडियो बनाना ज़्यादा ज़रूरी समझ रहे हैं।

क्या इस तरह की घटनाएं इस बात का सुबूत नहीं कि हमारे धर्म प्रधान देश में होने वाले इस तरह के हादसों के बाद केवल किसी इंसान की ही मौत नहीं होती बल्कि यह मानवता की मौत भी है। इससे यह भी पता चलता है कि धार्मिकता का ढोंग करने वाले ऐसे लोगों की संवेदनायें पूरे तरह मृत हो चुकी हैं।

संगठन को लेकर कब चिंता करेगी कॉंग्रेस?

ऋतुपर्ण दवे

कांग्रेस में अंर्तकलह है कि खत्म होने का नाम नहीं ले रहा। बावजूद इसके राहुल गांधी संगठन के लिए रात-दिन एक किए हुए हैं। इससे राहुल की छवि यकीनन बदली है।

उन्हें गंभीरता से लिया जाना बताता है कि कांग्रेस के बुरे दिन जरूर हैं लेकिन पार्टी में नया जोश भरने में वो पीछे नहीं है। लेकिन, क्या संगठन में मौजूद तमाम वरिष्ठ और जिम्मेदार भी यह समझेंगे? राहुल पार्टी का सम्मानजनक आधार बनाने और समर्थक दलों से एकजुटता खातिर रात-दिन एक कर रहे हैं। उनकी तमाम यात्राएं या अभी बिहार में सक्रियता सामने है।

लेकिन संगठन और कार्यकर्ता इसे क्यों नहीं समझ पा रहे? अभी मध्यप्रदेश में पांच बरस पहले सत्ता से बेदखल हुई कांग्रेस में संगठन की हुई नई-नई सर्जरी बाद जो घमासान मचा, वह नया नहीं था, अलबत्ता टाइमिंग गलत रही।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने 71 जिला अध्यक्षों की सूची जारी की। 21 को फिर जिम्मेदारी और 50 नए चेहरे लिए। 3 पूर्व मंत्री, 6 मौजूदा और 11 पूर्व विधायक सहित 4 महिलाओं, 12 ओबीसी, 10 एसटी, 8 एससी और तीन अल्पसंख्यकों को जिलों की कमान सौंपी गई। इस पर तर्क-वितर्क, विरोध भी शुरू हो गया। पटवारी ने मान-मनव्वल किया। सोशल मीडिया पर लिखा कि सबके सर्वश्रेष्ठ योगदान से ही सशक्त संगठन मप्र कांग्रेस की पहचान बनेगा। वंचित रहे साथियों को जल्द नई जिम्मेदारी मिलेगी। वहीं बिना देरी सभी नव नियुक्त गुरुमंत्र देने के नाम पर दिल्ली तलब किए गए। कैडर प्रबंधन के टिप्स 9-ए, कोटला रोड स्थित नए कांग्रेस दफ्तर में दिए गए। राहुल लगभग एक घण्टा बोले और साफ कर दिया कि अगले 6 महीनों तक तक कोई नहीं बदलेगा। सबका काम देखेंगे।

नव नियुक्त दिल्ली से लौटे नहीं कि मध्यप्रदेश के दो दिग्गजों की सोशल मीडिया जंग ने नया रंग ले लिया। पुराने जख्म कुरेदे जाने लगे। मार्च-2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया के भाजपा में जाने से मध्यप्रदेश की कांग्रेस सरकार गिरी थी।

जबकि 2018 में विधानसभा चुनाव के दौरान राहुल की हर रैली के दाएं-बाएं कमलनाथ और सिंधिया ही दिखते थे। कमलनाथ ने एक्स पर लिखा कि सिंधिया को लगता था कि सरकार दिग्विजय सिंह चला रहे हैं। इसी नाराजगी से कांग्रेसी विधायकों को तोड़ सरकार गिरा दी गई। वहीं दिग्विजय सिंह, कमलनाथ-सिंधिया के बीच ग्वालियर-चंबल मुद्दों पर सहमति न बन पाना सरकार गिरने की वजह बताते हैं। सच जो भी हो वही जानें। लेकिन संदेश अच्छा नहीं गया। उधर 2020 और उसके बाद कांग्रेस सरकार गिरने के बाद हुए कई स्थानीय निकायों या ऐसे दूसरे चुनावों में साफ बहुमत के बावजूद कांग्रेस को जगह-जगह क्यों शिकस्त मिली? इसका जवाब न तो किसी कांग्रेसी के पास था न ही वो फॉर्मूला जिसने जीतकर भी बैकफुट पर पहुंचाये। समझकर, जानकर भी ऐसे जनप्रतिनिधि छोड़ना मजबूरी बनीं। हालांकि कई मौका देखते ही पार्टी से दगा कर गए। आलाकमान की इस पर चिंता जरूर समझ आती है।

इंदिरा जी के कार्यकाल में और उनके बाद भी बगावत दिखती थी। लेकिन हर बार पार्टी बिखरती, उबरती, टूटती और फिर जुटती-जुड़ती रही। लेकिन ये क्या, 2014 के बाद संगठन में बिखराव और दिग्गजों का जो रूठना-टूटना शुरू हुआ, रुक नहीं रहा है।

लगता नहीं कि संगठन में अनुशासन की पाठशाला के जो शिक्षक हैं वो या तो ट्रेन्ड नहीं है या वक्त बिता रहे हैं? सोचिए भला उस प्रदेश में जिसके लिए चंद घण्टे पहले अनुशासन की इबारत और संगठन की लंबी क्लास चली, वहीं पलक झपकते दिग्गज ही सब कुछ भुला दें?

एक ही पार्टी के दो पूर्व मुख्यमंत्री बाहें चढ़ा मैदान में वाकयुध्द की तलवार भांजते नजर आएं! हिमाचल और कर्नाटक में भी जो खींचतान और तल्खी दिखती है वह जगजाहिर है। अन्य प्रदेशों में भी संगठन का कमोवेश यही हाल है। पार्टी शुध्दिकरण की नीयत से राहुल का वो बयान काबिल-ए-तारीफ है जिसमें उन्होंने रेस के घोड़ों को बारात में और बारात के घोड़ों को रेस में दौड़ाने जैसी बात कहकर संगठन पर ही उंगली उठा बड़े बदलाव का संकेत दिया था। संगठन के शुध्दिकरण खातिर संदिग्धों की बर्खाश्तगी की चेतावनी के भी मायने गहरे हैं। इस बीच कई राज्यों से ऐसे उदाहरण आए जहां स्थानीय निकायों में कांग्रेस ने बहुत बेहतर किया। ज्यादा पार्षद जीते फिर भी अध्यक्ष या मेयर बनाने में कांग्रेस गच्चा खा गई। कांग्रेस के चिन्ह पर चुनाव जीतकर भाजपा में शामिल होने वाले मौकापरश्तों की फेहरिश्त भी बढ़ती चली गई। दलबदल का ट्रेन्ड और भाजपा के खुले दरवाजे की चोट सबसे ज्यादा कांग्रेस को मिली है। राहुल ने शायद यही सब देखा, समझा और कहना चाहा हो?

लेकिन, जिस तरह राहुल चुनावी राज्यों में भाजपा पर आक्रामक दिखते हैं, अपनी बात कहते हैं उससे माहौल बनता तो दिखता है। लेकिन जब नतीजे आते हैं तो कांग्रेस पहले से भी बुरी स्थिति में पहुंच जाती है। शायद राहुल भितरघातियों की करतूतें समझते हों? महाराष्ट्र, हरियाणा और दिल्ली विधानसभा के नतीजों के बाद जबरदश्त बैकफुट पर होने के बावजूद पहले गुजरात दौरा और अब बिहार में पसीना बहाना बताता है कि वो पार्टी की मजबूती खातिर कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे।

राहुल की सक्रियता से तमाम तुरुपों, दिग्गजों की बेचैनी भी झलकती है। चाहे राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का समय हो या हालिया कुंभ स्नान या फिर थोड़ा पहले अनुच्छेद 370 को हटाने को लेकर कई कांग्रेसियों के अलग-अलग और तर्क-वितर्क से भरे बयानों ने संगठन खातिर कैसा काम किया, सबके सामने है। जहां भाजपा खुलकर सनातन की बात कर खुद को दिनों दिन मजबूत करती जा रही है वहीं कांग्रेस में सनातन और धर्म पर विवादास्पद बयानबाजी करते नेता खुद ही संगठन के लिए घातक सिद्ध हो रहे हैं।

अभी मध्यप्रदेश में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार का बयान पूरे देश में चर्चाओं में है जिसमें वो कहते हैं 'गर्व से कहो हम आदिवासी हैं, हिंदू नहीं, ...वो शबरी आदिवासी ही थी जिसने भगवान राम को जूठे बेर खिलाए।'

जबकि मध्यप्रदेश क्या देश में तमाम ऐसे तीज-त्योहार हैं जो आदिवासियों के चलते ही विशेष पहचान रखते हैं। दशहरा, होली(फगुआ) जैसे कई त्योहार इसकी मिशाल हैं। हां, परंपरा के नाम पर हर जातियों की अपनी अलग पूजा पध्दति तो पुरातन से है लेकिन इसका ये मतलब नहीं कि वो गैर हिन्दू हैं?

वाश्तव में एक मजबूत विपक्ष, सशक्त देश की जरूरत है। भले ही विपक्ष, सत्ता में जल्द आए, न आए कम से कम खुद तो एक जुट रहे और सहयोगियों से भी यही उम्मीद करे। क्या कांग्रेस अपने पुराने दौर और ठौर में पहुंच पाएगी या फिर राहुल की बेबाकी और भारी पड़ेगी? फिलाहाल देखना होगा कि दशकों से उन्हीं घोड़ों को जोत रेस में दौड़ती कांग्रेस नए घोड़ों से अदला-बदली कर हॉर्स पॉवर का सही मैनेजमेण्ट कर सकेगी? बड़बोले नेताओं के बेतुके जुबानी तीर कब तक निकलते रहेंगे। क्या अवसरवादियों, भितरघातियों को बाहर का राश्ता कभी दिखाएगा जाएगा या फिर वही काम निकालो और निकल लो की तर्ज पर भितरघातिए मनमानी करते रहेंगे?

जो है, जैसा है कब तक चलता रहेगा? शायद बरसों-बरस से एक ही चेहरा देख रहे लोग कांग्रेस से मुंह मोड़ रहे हैं, नए लोग खासकर युवा पीढ़ी इसीलिए नहीं जुड़ पा रही है। कांग्रेस के तमाम सह-संगठन भी कागजी होकर रह गए हैं। काश, कांग्रेस और कांग्रेसी भी समूचे देश के संदर्भ में समझ पाते कि "समय-समय में होत है, समय-समय की बात, एक समय में दिन बड़ा एक समय में रात।"

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और स्तंभकार हैं।)

क्या यही चुनाव आयोग का काम है?

राजेन्द्र शर्मा-

हैरानी की बात नहीं है कि विशेष सघन पुनरीक्षण के लिए तय की गयी इस प्रक्रिया विशेष और खासतौर पर उसके लिए सभी मतदाताओं से नये सिरे से फार्म भरवाए जाने और 2003 की मतदाता सूचियों में जिन लोगों का नाम नहीं था, उन सबसे उनकी स्थानीयता को दर्शाने वाले साक्ष्य मांगे जाने और सचेत रूप से आधार समेत सबसे आम-फहम दशतावेजों के साक्ष्यों की इस सूची से बाहर रखे जाने से, व्यापक रूप से इस कसरत के मकसद को लेकर आशंकाएं पैदा हुई थीं।

बेशक, यह कहना तो शायद बहुत जल्दबाजी होगी कि बिहार में विशेष सघन पुनरीक्षण या एसआइआर की घोषणा के बाद से विपक्षी पार्टियों ही नहीं बल्कि सामाजिक व जनतांत्रिक अधिकार संगठनों द्वारा भी ''वोट की चोरी'' के जरिए चुनाव में हेरा-फेरी की जो आशंकाएं जतायी जा रही थीं और जनता के बीच जाकर जतायी जा रही थीं, उनका अंततः निराकरण हो गया है।

फिर भी एसआइआर के ही मामले में सुप्रीम कोर्ट के 8 सितंबर के आदेश के बाद, इतना तो निश्चियपूर्वक कहा ही जा सकता है कि इन आशंकाओं के दरवाजे एक हद तक बंद कर दिए गए हैं। यह हुआ है सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के जरिए कि एसआइआर की प्रक्रिया पहचान के लिए प्रमाण के रूप में भारतीय चुनाव आयोग द्वारा जिन 11 दशतावेजों को अधिसूचित किया गया है, आधार कार्ड/नंबर को उनके समकक्ष, 12वां दशतावेज माना जाएगा।

सभी जानते हैं कि बिहार में विवादास्पद एसआइआर प्रक्रिया की शुरूआत का एलान करते हुए, चुनाव आयोग ने यह निर्धारित किया था कि मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण के अब तक के सभी उदाहरणों के विपरीत, मताधिकार के सभी दावेदारों को नामांकन फर्म भरना होगा और जिनका समुचित नामांकन फार्म निर्धारित तिथि तक अधिकारियों को प्राप्त नहीं होगा, वे खुद ब खुद मताधिकार की दावेदारी से बाहर हो जाएंगे। पुनः जिन मतदाताओं का नाम 2003 की मतदाता सूचियों में नहीं था, उन्हें नामांकन फार्म के साथ अपनी पहचान के प्रमाण के रूप में उक्त 11 साक्ष्यों में से कोई एक पेश करना था। इन साक्ष्यों से आधार, स्वयं चुनाव आयोग द्वारा जारी किए गए मतदाता पहचान कार्ड और राशन कार्ड जैसे व्यक्ति की पहचान को प्रमाणित करने वाले ठीक उन्हीं साक्ष्यों को बाहर रखा गया था, जो सबसे ज्यादा लोगों को पास उपलब्ध हैं और सबसे ज्यादा उपयोग में आते हैं।

हैरानी की बात नहीं है कि विशेष सघन पुनरीक्षण के लिए तय की गयी इस प्रक्रिया विशेष और खासतौर पर उसके लिए सभी मतदाताओं से नये सिरे से फार्म भरवाए जाने और 2003 की मतदाता सूचियों में जिन लोगों का नाम नहीं था, उन सबसे उनकी स्थानीयता को दर्शाने वाले साक्ष्य मांगे जाने और सचेत रूप से आधार समेत सबसे आम-फहम दशतावेजों के साक्ष्यों की इस सूची से बाहर रखे जाने से, व्यापक रूप से इस कसरत के मकसद को लेकर आशंकाएं पैदा हुई थीं। कहीं यह मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण के नाम पर, चोर दरवाजे से राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर या एनआरसी लाने की यानी मतदाता सूची में स्थान दिए जाने को, नागरिकता की जांच के साथ जोड़ने की कोशिश तो नहीं थी? हमारे संविधान में नागरिकता का विषय, आम तौर पर चुनाव आयोग के विचार क्षेत्र में नहीं आता है।

इसलिए, मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया को, नागरिकता जांच के साथ जोड़ना कतई असंवैधानिक है। वाश्तव में, बिहार में एसआइआर प्रक्रिया को सर्वोच्च अदालत में दी गयी अनेक चुनौतियों में एक महत्वपूर्ण मुद्दा, इस प्रक्रिया की संवैधानिकता का है, जिस पर अदालत को अभी विचार करना ही है।

बहरहाल, एसआइआर प्रक्रिया को लेकर विचार की प्रक्रिया में, शुरूआत से ही सर्वोच्च न्यायालय का यह स्पष्ट रुख था कि पहचान के लिए स्वीकार्य दशतावेजों में चुनाव आयोग को आधार जैसे दशतावेजों को शामिल करना चाहिए, जिससे इस प्रक्रिया में लोगों को ज्यादा परेशान नहीं होना पड़े। दुर्भाग्य से चुनाव आयोग भी शुरूआत से आधार आदि दशतावेजों को स्वीकार नहीं करने पर अड़ा हुआ था। इन हालात में, जब अदालत आदेश के बजाए, सुझाव की विनम्र भाषा का प्रयोग करते हुए, चुनाव आयोग से आधार आदि को शामिल करने की सलाह पर रुक गयी, चुनाव आयोग ने इस सलाह को जैसे अनसुना ही कर दिया।

दूसरी ओर, चूंकि अदालत इस संबंध में एकदम स्पष्ट थी कि आधार जैसे दशतावेजों को अस्वीकार करने की चुनाव आयोग की जिद के पीछे कोई वाश्तविक तर्क था ही नहीं, उसने इस प्रकरण की अलग-अलग सुनवाइयों में, कम से कम तीन बार, तरह-तरह से अपने इस मंतव्य को दोहराया कि चुनाव आयोग इन दशतावेजों को स्वीकार करे। यहां तक कि एसआइआर की प्रक्रिया में पूरे 65 लाख लोगों के नाम बिल्कुल अपारदर्शी तरीके से काटे जाने के पहलू पर अपने फैसले में भी अदालत ने, जिन लोगों के नाम इस तरह काटे गए थे, उनकी अर्जियों पर पुनरीक्षण की प्रक्रिया के हिस्से के तौर पर विचार किये जाने का आदेश देते हुए, दशतावेज के रूप में आधार के स्वीकार किए जाने के स्पष्ट आदेश भी दिये थे। लेकिन, चुनाव आयोग ने इसके बाद भी अपनी जिद नहीं छोड़ी। उसने तिकड़मबाजी से सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को विफल करने की कोशिशें जारी रखीं। अदालत के उक्त निर्णय की पृष्ठभूमि में, जब चुनाव आयोग की मशीनरी में शामिल कुछ अधिकारियों ने आधार को प्रमाण के रूप में स्वीकार करने की कोशिश की, चुनाव आयोग ने न सिर्फ इसे गलत बताया बल्कि संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई भी की। और जिन मतदाताओं ने आधार का साक्ष्य के रूप में उपयोग करते हुए, मतदाता सूची में अपना नाम शामिल किए जाने की मांग की, उनके द्वारा पेश किए गए साक्ष्य को नामंजूर ही कर दिया गया। हैरानी की बात नहीं है कि 8 सितंबर की ताजातरीन सुनवाई में अदालत में इन मामलों को उठाया गया और एसआइआर की प्रक्रि या को चुनौती देने वाली पार्टियों के वकीलों ने इसे सर्वोच्च न्यायालय की अवमानना बताते हुए, अदालत से बलपूर्वक आग्रह किया कि आधार के संबंध में अपने मंतव्य का पालन सुनिश्चित करे।

ठीक इसी पृष्ठभूमि में सुप्रीम कोर्ट को इस बार अपना स्वर बदलना पड़ा और आधार के संबंध में अपने मंतव्य के लिए, पहले की तरह सुझाव की भाषा का प्रयोग छोड़कर, आदेश की भाषा का प्रयोग करना पड़ा। जाहिर है कि इसके बाद चुनाव आयोग के पास आधार को अन्य ग्यारह प्रमाणों की तरह, बारहवां प्रमाण मानने से बचने की कोई गुंजाइश नहीं रह गयी है। यानी बिहार के 90-95 फीसदी मतदाता, आधार के सहारे अपनी पहचान तथा पते को प्रमाणित करने की शर्त काफी आसानी से पूरी कर सकते हैं। यह, एसआइआर प्रक्रिया के माध्यम से, मतदाताओं की एक अच्छी-खासी संख्या को मताधिकार से ही वंचित किए जाने की संभावनाओं के दरवाजे, बहुत हद तक बंद कर देता है।

याद रहे कि एसआइआर प्रक्रिया के जरिए, मतदाता सूचियों की साशानुकूल छंटाई का यह खतरा बहुत ही वाश्तविक है। यह संयोग ही नहीं है कि बिहार में, जहां से इस एसआइआर प्रक्रिया की शुरूआत हुई है, एक ओर अगर समूचा विपक्ष इस प्रक्रिया पर, उसके तहत बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम काटे जाने, इस प्रक्रिया के हिस्से के तौर पर जल्दबाजी में तैयार की गयी कच्ची या ड्रस्ट मतदाता सूचियों में गड़बड़ियों तथा त्रुटियों की भरमार पर लागातार सवाल उठा रहा है और इन सवालों को जनता के बीच भी लेकर जा रहा है, तो दूसरी ओर साशाधारी गठजोड़ न सिर्फ इन गड़बड़ियों, त्रुटियों तथा बड़ी संख्या में नाम काटे जाने पर चुप्पी साधे हुए है बल्कि विशेष रूप से भाजपा तो जोर-शोर से, और आलोचकों पर हमला कर, चुनाव आयोग की तमाम करनियों-अकरनियों का बचाव करने में ही लगी हुई है। यहां तक कि आरएसएस भी खुलकर विवादास्पद एसआइआर के बचाव में उतर आया है।

हाल ही में जोधपुर में संपन्न आरएसएस से संबद्घ संगठनों की तीन दिनी सालाना बैठक के बाद, उसके प्रवक्ता सुनील आंबेकर ने कहा कि, 'कार्यकुशल चुनावी प्रक्रियाएं जनतंत्र की रीढ़ होती हैं और एसआइआर जैसी पहलें इस आधार को मजबूत करने में मदद करती हैं।' सचाई यह है कि बढ़ती ''बाहरी'' घुसपैठ की जिस तरह की निराधार आशंकाओं तथा डैमोग्राफी में बदलाव की चिंताओं को, मोहन भागवत के पिछले ही दिनों के तीन दिवसीय महत्वाकांक्षी व्याख्यान में स्वर दिया गया था और उससे पहले प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अपने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में उछाला गया था, उन्हें ही और पहले से स्वर देते हुए, एसआइआर प्रक्रिया के अंतर्गत बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम काटे जाने को, रोहिंगिया, बंगलादेशी घुसपैठियों आदि की मौजूदगी का संकेतक बताने की कोशिश की जा रही थी। यह सब चुनाव आयोग के नाम पर, कथित सूत्रों के हवाले से किया जा रहा था। यह दूसरी बात है कि सूत्रों और इशारों में धारणाएं बनाने का यह खेल शुरू करने के बाद, नाम काटे जाने के औपचारिक कारण के श्तर पर, चुनाव आयोग ऐसे दावों से पीछे ही हट गया।

नरेंद्र मोदी के निजाम में वैसे तो तमाम संवैधानिक निकायों, संस्थाओं तथा एजेंसियों को घसीटकर, उनकी मान्य भूमिकाओं से काफी दूर पहुंचा दिया गया है। पर चुनाव आयोग, संविधान में सौंपी गयी अपनी भूमिका से जितनी दूर चला गया है, वह हैरान कर देने वाला है। जो चुनाव आयोग बड़ी संख्या में हाशियावर्ती मतदाताओं की छंटाई के अपने आग्रह को पूरा करने के लिए, आधार को पहचान का साक्ष्य मानने से इंकार करने पर आखिर-आखिर तक बजिद था, उसी चुनाव आयोग के बंगलूरु सेंट्रल के महादेवपुरा विधानसभाई क्षेत्र में एक लाख से ज्यादा वोटों की हेराफेरी के आरोपों पर मुंह सिलकर बैठ जाने के बाद, अब उसी कर्नाटक में अलंद विधानसभाई क्षेत्र में, 2023 के विधानसभाई चुनाव से पहले लगभग 6 हजार मतदाताओं के नाम फर्जीवाड़े के जरिए कटवाए जाने के दोषियों की सीआइडी जांच, चुनाव आयोग द्वारा पुलिस द्वारा मांगा गया डॉटा न देने के जरिए, दो साल से रोक कर रखे जाने का मामला सामने आया है। क्या यही चुनाव आयोग का काम है?

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका के संपादक हैं)

प्रकृति की नाराजगी को नहीं समझा तो मानव अस्तित्व खतरे में

ललित गर्ग

प्रकृति अपनी उदारता में जितनी समृद्ध है, अपनी प्रतिशोधी प्रवृत्ति में उतनी ही कठोर है। जब तक मनुष्य उसके साथ तालमेल में रहता है, तब तक वह जीवन को वरदान देती है, जल, जंगल और जमीन के रूप में। लेकिन जैसे ही मनुष्य अपनी स्वार्थपूर्ण महत्वाकांक्षाओं और तथाकथित आधुनिक विकास की अंधी दौड़ में प्रकृति की उपेक्षा करने लगता है, यही प्रकृति विनाश का रूप धारण कर लेती है।

आज पूरे भारत में जो बाढ़, जल प्रलय और मौसम के अनियंत्रित बदलाव के दृश्य दिखाई दे रहे हैं, वे केवल प्राकृतिक आपदा नहीं हैं, बल्कि हमारी गलतियों का सीधा परिणाम हैं। प्रकृति के इस रौद्र रूप के पीछे महज संयोग या 'कुदरत की नाराज़गी' को जिम्मेदार ठहराना पर्याप्त नहीं है। यह आपदाएं सीधे-सीधे जलवायु परिवर्तन, वनों की अंधाधुंध कटाई और अनियंत्रित विकास मॉडल का परिणाम हैं।

पहाड़ों का पारिस्थितिकी तंत्र अत्यंत संवेदनशील होता है, लेकिन नीतिनिर्माताओं ने पहाड़ों के विकास को मैदानी मॉडल पर ढालने की कोशिश की। बड़े-बड़े होटल, अव्यवस्थित सड़कें, बांध, खनन और निर्माण ने पहाड़ों की नाजुक संरचना को हिला दिया।

जब जंगल काटे जाते हैं तो वर्षा का पानी भूमि में समाने के बजाय सीधे तेज धाराओं के रूप में बहने लगता है। यही बाढ़ और भूस्खलन का बड़ा कारण बनता है, इसी से भारी तबाही का मंजर देखने को मिल रहा है, देश के बड़े हिस्से में जन-जीवन अश्त-व्यश्त है, लाखों हेक्टेयर फसलें जनमग्न है, जान-माल का नुकसान भी बड़ा हुआ है, भारी आर्थिक नुकसान ने घना अंधेरा बिखेर दिया है। चारों ओर चिन्ताओं एवं परेशानियों के बादल मंडरा रहे हैं।

आज की बाढ़ और जल प्रलय केवल पानी का उफान नहीं, बल्कि हमारी गलतियों का आईना है। यह प्रकृति का प्रतिशोध है, उसकी चेतावनी है कि यदि अब भी नहीं चेते तो भविष्य और भी विकराल होगा। महात्मा गांधी ने कहा था-"प्रकृति हर किसी की आवश्यकता पूरी कर सकती है, लेकिन किसी के लालच को नहीं।" यही सच्चाई है। यदि हमने संतुलन नहीं सीखा, तो यह विनाशकारी दृश्य आने वाले वर्षों में और भयावह होंगे। लेकिन यदि हमने चेतावनी को अवसर माना, तो प्रकृति फिर से मां की तरह हमें संभाल लेगी।

जीवनदायी पानी जब अपने विकराल रूप में सामने आता है तो उसका प्रकोप कितना घातक और विनाशकारी हो सकता है, यह इस वर्ष की मूसलाधार मानसूनी बारिश एवं बादल फटने की घटनाओं ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है। सामान्यतः जल जीवन का आधार है, लेकिन जब वही जल अपनी मर्यादा तोड़कर प्रलयंकारी रूप में आता है तो घर, खेत, सड़क, पुल, मंदिर-मस्जिद और मानवीय जीवन तक बहाकर ले जाता है।

उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के पहाड़ी राज्य इस समय प्रकृति के ऐसे ही कहर का दंश झेल रहे हैं। बादल फटने की अप्रत्याशित घटनाएं, पहाड़ों से टूटते हिमखंड, अचानक बहते मलबे और बेकाबू नदियों का सैलाब-ये सब मिलकर भयावह परिदृश्य खड़ा कर रहे हैं।

वनों की कटाई ने न केवल भूमि की जलधारण क्षमता घटाई है, बल्कि स्थानीय जलवायु चक्र को भी प्रभावित किया है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण तापमान बढ़ा है, जिससे पहाड़ी इलाकों में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और अप्रत्याशित समय पर अत्यधिक वर्षा हो रही है। यही कारण है कि बादल फटने जैसी घटनाएं पहले की तुलना में कई गुना बढ़ गई हैं। पहाड़ों की बश्तियां, जो कभी प्राकृतिक संतुलन में जीती थीं, अब मानवजनित गतिविधियों की मार झेल रही हैं।

दरअसल, समस्या का मूल यह है कि हमने विकास की परिभाषा को केवल कंक्रीट और मशीनों से जोड़ दिया है। पर्यावरणीय संतुलन और पारिस्थितिकीय संवेदनशीलता को दरकिनार कर योजनाएं बनाई गईं। इसी का परिणाम है कि जब आपदा आती है तो न तो हमारी चेतावनी प्रणाली पर्याप्त साबित होती है और न ही प्रशासन की तैयारियां। सर्वोच्च न्यायालय में हिमाचल सरकार ने यह स्वीकार भी किया है कि अब तक अपनाए गए उपाय अपर्याप्त हैं। यह स्वीकारोक्ति बताती है कि समस्या कितनी गंभीर है।

भारत की नदियाँ कभी जीवन का स्त्रोत मानी जाती थीं। गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, नर्मदा, गोदावरी जैसी नदियों के किनारे सभ्यताएँ पली-बढ़ीं। लेकिन आज वही नदियाँ मौत का पैगाम बनकर आती हैं। कारण है उनके प्राकृतिक प्रवाह में मानवीय हश्तक्षेप-बेतरतीब बांध, अतिक्रमण, नालों में बदल चुकी धारा और किनारों पर बसी बश्तियाँ। भारत में हर साल औसतन 1, 600 लोग बाढ़ से मारे जाते हैं और लगभग 75 लाख लोग प्रभावित होते हैं। फसलें तबाह होती हैं, पशुधन मरता है और अरबों रुपए की आर्थिक क्षति होती है।

केवल 2023 में उत्तराखंड, हिमाचल और दिल्ली में आई बाढ़ से 60, 000 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ। पिछले कुछ दशकों में मौसम का पैटर्न पूरी तरह बिगड़ चुका है। मानसून जो पहले जून से सितंबर तक नियमित हुआ करता था, अब अनिश्चित और असमान हो गया है। कभी 24 घंटे में महीनों की बारिश हो जाती है, तो कभी लंबे सूखे का दौर देखने को मिलता है।

2013 की केदारनाथ त्रासदी ने पहाड़ों में अंधाधुंध निर्माण की पोल खोल दी। 2023 में दिल्ली में यमुना का 45 साल का रिकॉर्ड टूटना इस बात का संकेत है कि शहर जलवायु परिवर्तन और अव्यवस्थित शहरीकरण के सामने पूरी तरह असुरक्षित हो चुके हैं।

देश के लगभग हर हिस्से में जल प्रलय की कहानियाँ देखी जा सकती हैं। उत्तराखंड और हिमाचल में पहाड़ टूट रहे हैं, भूस्खलन से गांव उजड़ रहे हैं। बिहार और असम में बाढ़ हर साल लाखों लोगों को बेघर कर देती है। दिल्ली और मुंबई जैसे आधुनिक महानगर भी जलजमाव से पंगु हो जाते हैं। राजस्थान जैसे रेगिश्तानी राज्य में भी अनियंत्रित बारिश और बाढ़ का नया खतरा मंडरा रहा है। सड़कों पर नावें चल रही हैं, पुल बह गए हैं, खेत-खलिहान जलमग्न हैं। यह नजारा केवल विनाश का नहीं, बल्कि हमारी नासमझी का प्रमाण है। प्रकृति बार-बार संकेत देती है कि संतुलन ही जीवन का आधार है, लेकिन हमने उसकी सीमाओं को लांघ दिया है।

पहाड़ों को खोखला कर सुरंगें और सड़कें बनाई गईं। जंगलों को काटकर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए। नदियों को उनके मार्ग से हटाकर कृत्रिम राश्तों में बांध दिया गया। आज जब बादल फटते हैं या नदियाँ बेकाबू होती हैं, तो यह केवल आपदा नहीं बल्कि प्रकृति का प्रतिशोध है।

अब सवाल यह है कि इस संकट से निपटें कैसे। केवल राहत और मुआवजा देना समाधान नहीं है। आवश्यकता है दीर्घकालिक और ठोस कदम उठाने की। हमें जंगल बचाने होंगे, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बहाल करना होगा, शहरी योजनाओं में जलनिकासी और हरियाली को महत्व देना होगा, पर्वतीय विकास में संयम लाना होगा और सबसे बढ़कर जनजागरूकता फैलानी होगी ताकि लोग समझ सकें कि पर्यावरण की रक्षा ही उनके जीवन की रक्षा है। जरूरत है कि आपदाओं को केवल 'प्राकृतिक' न मानकर उन्हें 'मानव निर्मित' एवं सरकार की गलत नीतियों की आपदाएं' भी समझा जाए।

इसका अर्थ है कि इनका समाधान केवल राहत और बचाव तक सीमित न रहकर दीर्घकालिक रणनीति से जुड़ा होना चाहिए। विशेषज्ञों की राय, वैज्ञानिक अध्ययन और स्थानीय समुदायों के अनुभवों को मिलाकर ऐसी नीतियां बननी चाहिएं, जो पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना और पारिस्थितिकी को ध्यान में रखें। प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति हमें चेतावनी दे रही है कि यदि हमने समय रहते संतुलित विकास का मार्ग नहीं चुना तो भविष्य और अधिक भयावह होगा। पूर्व चेतावनी प्रणाली को सशक्त बनाना, पहाड़ी राज्यों के बीच आपसी समन्वय बढ़ाना, आपदा प्रबंधन तंत्र को त्वरित और प्रभावी बनाना, और सबसे बढ़कर-वनों एवं प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना, यह सब आज की सबसे बड़ी जरूरत है।

दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के बावजूद भारत प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली भारी जन-धन हानि को बर्दाश्त नहीं कर सकता। इस वर्ष की बाढ़ और बादल फटने की घटनाएं केवल त्रासदी नहीं, बल्कि एक स्पष्ट संदेश हैं-कि प्रकृति के साथ असंतुलन की कीमत हमें अपने अशितत्व से चुकानी पड़ सकती है। इसलिए विकास की नीतियों को पर्यावरण की दृष्टि से पुनर्परिभाषित करना ही इस संकट से उबरने का वाश्तविक मार्ग है।

लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com ई-मेल: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

गुमशुदा दो दोस्तों को पुलिस ने किया बरामद

एनसीआर टुडे. अलीगढ़ । थाना महुआखेड़ा पुलिस, स्वॉट और सर्विलांस की संयुक्त टीमों को सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत गुमशुदा दो दोश्तों को 24 घण्टे में बरामद किया है। पुलिस की कार्यवाही से घरवालों के चेहरे पर मुस्कान लौटाई। गली नं0-14 देवी नगला के रहने वाले दो दोश्त (उम्र करीब 13 वर्ष) जो एक ही स्कूल विनायक इण्टरनेशलन स्कूल रावणटीला में कक्षा -7 में पढ़ते थे, घरवालों को बिना बताये कहीं चले गये थे, परिजनों द्वारा काफी तलाश करने पर भी पता नहीं चल रहा था, बच्चों के चले जाने के सम्बन्ध में परिजनों की दी गई तहरीर के आधार पर थाना महुआखेड़ा मुकद्दमा पंजीकृत करं गुमशुदा बच्चों की बरामदगी हेतु टीम गठित की गईं थी । प्रभारी निरीक्षक महुआखेड़ा जोगेन्द्र सिंह के नेतृत्व में थाना महुआखेड़ा पुलिस, स्वॉट सर्विलांस व (इंटीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रॉल सेन्टर) की संयुक्त टीमों द्वारा दोनों गुमशुदा बच्चों की तलाश व सकुशल बरामदगी हेतु स्थानीय कैमरों, बच्चों के स्कूल व उनकी कक्षा में साथ पढ़ने वाले बच्चों से लाभप्रद जानकारी प्राप्त की गई । स्थानीय पुलिस, स्वॉट/सर्विलांस की संयुक्त टीमों द्वारा आईसीसीसी नियत्रण कक्ष में जाकर मुख्य मार्गों, रोडवेज बस स्टैण्ड, अन्य बस अड्डों तथा रेलवे स्टेशन के सभी फोटोज देखे गये तो दोनों बच्चे बौनेर तिराहा के पास अपनी साईकिल खड़ी कर दिल्ली जाने वाली रोडवेज बस में बैठते हुए नजर आये, तत्काल ही टीमों को परिजनों के साथ दिल्ली रवाना किया गया, इस दौरान गुमशुदा बच्चों के द्वारा एक अज्ञात मो0नं0 से कॉल की गई, जिसकी तत्काल सर्विलांस की टीम के द्वारा लोकेशन ले गयी जो दिल्ली लाल किला के आस पास दिखा रही थी। रवाना की गयी टीम के द्वारा लाल किला के पास चाँदनी चौक पर गुमशुदा बच्चों को तलाश किया गया तो दोनों बच्चे थाना चाँदनी चौक क्षेत्र के अन्तर्गत घूमते हुये मिल गये। जिनको परिजनों ने पहचान लिया, बाद में थाना चाँदनी चौक से नियमानुसार कार्यवाही करते हुये 24 घण्टे के अन्दर दोनों बच्चो को सकुशल बरामद कर उनके परिवारीजनों सुपुर्द कर दिया।

सड़क हादसे में पिता पुत्र समेत तीन घायल

एनसीआर टुडे. अलीगढ़ । थाना अकराबाद क्षेत्र में जीटी रोड पर गांव जसरथपुर के पास बुधवार को तेज रफ्तार बाइक सवार एक युवक डिवाइडर से टकराकर घायल हो गया। घटना की सूचना पर पुलिस ने उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। जिला फरुखाबाद के कस्बा कमीरगंज निवासी सुनील कुमार पुत्र बसंत सिंह बुधवार को बाइक से अलीगढ़ होते हुए आगरा जा रहा था। इसी बीच दोपहर समय करीब दो बजे उसकी बाइक अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराते हुए सड़क किनारे खेत में जाकर गिरी। जिससे बाइक छतिग्रश्त हो गई तथा सुनील गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना पर पीआरबी कर्मियों ने घायल को उपचार के लिए ट्रामा सेंटर में भर्ती करते हुए घटना की जानकारी घायल के परिजनों को दी है। वहीं जिला एटा के गांव दतई निवासी युनुस बुधवार की शाम अपने पिता इस्लाम खां के साथ गंगीरी से बाइक पर सवार होकर तहरामोड से अकराबाद की ओर लौट रहे थे। इसी बीच सामने से आ रही दूसरी बाइक से उनकी बाइक की टक्कर हो गई। जिससे एक बाइक पर सवार दोनों पिता पुत्र चोटें लगने से घायल हो गए हैं। घायल इस्लाम को सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

जिला और तहसील स्तर लगेगी लोक अदालत

एनसीआर टुडे. अलीगढ़ । राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली, एवं उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार तथा जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अनुपम कुमार के दिशा निर्देशन में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय बाह्य स्थित न्यायालयों में एवं तहसील शतर पर किया जाना है। राष्ट्रीय लोक अदालत में न्यायालयों/विभागों में लम्बित विभिन्न प्रकृति के मामलों(जैसे फौजदारी के शमनीय वाद, धारा 138 एनआईएक्ट, धन वसूली वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद, श्रम वाद, विद्युत अधिनियम एवं जलकर से सम्बन्धित वाद, पारिवारिक एवं वैवाहिक वाद, भूमि अर्जन वाद, सेवा सम्बन्धित वाद अन्य दीवानी वाद, अन्य प्रकृति के वाद जो न्यायालयों में छोटे-छोटें प्रकृति के मामलें लम्बित हो) तथा उक्त के अतिरिक्त पारिवारिक, वैवाहिक विवादों के प्रीलिटिगेशन मामलों तथा प्रीलिटिगेशन शतर पर विभिन्न बैंको, वित्तीय संस्थाओं एवं विभागों में लम्बित/प्रीलिटिगेशन शतर के मामलों का भी निश्तारण आपसी सुलह समझौता के आधार पर किया जाना है। राष्ट्रीय लोक अदालत के सम्बन्ध में जब भी कोई बैठक आयोजित हो तो उसमें शत.प्रतिशत सहभागिता करना सुनिश्चित करें। राष्ट्रीय लोक अदालत का प्रचार प्रसार भी अपने अधिकारीध्कर्मचारीगण से करायें जिससे राष्ट्रीय लोक अदालत का ज्यादा से ज्यादा प्रचार हो सके और वादकारीगण इसका ज्यादा से ज्यादा लाभ प्राप्त कर सकें। उक्त सूचना नितिन श्रीवाश्तव, अपर जिला जज,पूर्णकालीन सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण,अलीगढ़ द्वारा दी गई।

काशी में पीएमः क्रूज पर लस्सी, टमाटर चाट, मटर चूड़ा और कचौड़ी खाएंगे मॉरीशस के प्रधानमंत्री

वाराणसी, एजेंसी। मॉरीशस के प्रधानमंत्री क्रूज से गंगा घाटों को देखेंगे और दश्वाश्वमेध पर गंगा आरती में शामिल होंगे। रामनगर की लस्सी भी पीएंगे। टमाटर चाट और पालक के पत्ते की चाट खाएंगे। मटर चूड़ा और हींग कचौड़ी का आनंद लेंगे। 11 सितंबर को मुख्यमंत्री की ओर से ताज दरबार हॉल में डिनर में बनारसी ठंडई रहेगी। अंजीर, छोले टिक्की, दही, लौकी रहेगी। मीठे में उन्हें तिरंगा बर्फी, लाल पेड़ा, जौनपुर की इमरती दी जाएगी। 11 सितंबर की दोपहर में लंच प्रधानमंत्री के साथ वरुणा हॉल में रहेगा। मॉरीशस के प्रधानमंत्री के साथ आने वाले अतिथियों को उपहार के रूप में गुलाबी मीनाकारी का मोर दिया जाएगा। अफसरों ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। मंगलवार को प्रभारी मुख्य सचिव व डीजीपी ने तैयारियों की जानकारियां लीं।

छह स्थानों पर होगा स्वागतः मॉरीशस के पीएम का स्वागत छह स्थानों पर किया जाएगा। प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम 10 सितंबर की शाम विशेष विमान से बाबतपुर एयरपोर्ट आएंगे। वहां से सड़क मार्ग से होटल ताज पहुंचेंगे। मंगारी चौराहा, जयपुरिया स्कूल के पास, गिलट बाजार चौराहा, भोजूबीर चौराहा, कचहरी के आंबेडकर चौराहा और होटल ताज के पास स्वागत किया जाएगा।

इसी साल मॉरीशस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया था सर्वोच्च नागरिक सम्मान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मार्च में मॉरीशस गए थे। वहां प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम ने उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार एंड की ऑफ द इंडियन ओशन से सम्मानित किया था। प्रधानमंत्री मोदी इस सम्मान को पाने वाले पहले भारतीय थे। मोदी ने वहां बेल का पौधा भी लगाया था। 2020 में भारत की ओर से मॉरीशस की सुप्रीम कोर्ट की बिल्डिंग बनाकर उन्हें दी गई थी। स्वास्थ्य और सामुदायिक केंद्र जैसे कई बड़े प्रोजेक्ट में भारत ने निवेश किया। सिविल सर्विस कॉलेज, स्वास्थ्य केंद्र और अन्य सामाजिक प्रोजेक्ट का पीएम मोदी ने शिलान्यास किया था।

मॉरीशस में चल रहे मेट्रो एक्सप्रेस प्रोजेक्ट पर भी भारत की ओर से काम किया जा रहा है। रक्षा और सुरक्षा मामलों की बात करें तो मॉरीशस के पास कोई कोई स्थायी सेना नहीं है, ऐसे में भारत उसकी सुरक्षा का अहम साझेदार है। भारतीय नौसेना और कोस्ट गार्ड वहां के समुद्री क्षेत्र की निगरानी, हाइड्रो ग्राफिक सर्वे और प्रशिक्षण में मदद करते हैं।

भारत ने अगेलेगा द्वीप पर एयरस्ट्रिप और जेट्टी भी तैयार करवाई है। अगस्त 2025 में भारत ने मॉरीशस को 10 इलेक्ट्रिक बसें सौंपीं थीं ताकि शहरी परिवहन को बढ़ावा मिल सके। कोविड के दौर में भी भारत ने दवाइयां और टीके, यहां तक कि कोविड-19 वैक्सीन भी 'वैक्सीन मैत्री' अभियान के तहत उपलब्ध कराई थी।

देखेंगे पूर्वांचल का झूला, मयूर और धोबिया नृत्य : एयरपोर्ट पर शहर के नागरिक और स्कूली बच्चे हाथों में भारत और मॉरीशस के राष्ट्रीय ध्वज लेकर स्वागत करेंगे। पूर्वांचल से जुड़े सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की जाएगी। मॉरीशस के प्रधानमंत्री नदेसर के ताज होटल में ठहरेंगे। झूला, मयूर और धोबिया नृत्य से उनका स्वागत होगा।

पूर्वांचल के प्रमुख लोकगीत कजरी, बिरहा, सोहर, चैती और कहरवा की प्रस्तुति दी जाएगी। एयरपोर्ट पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया जाएगा। होटल में वाराणसी सहित पूरे प्रदेश के जीआई और ओडीओपी उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

सुरक्षा की तैयारियां तेज : पीएम के जन्मदिन पर 100 करोड़ रुपये का उपहार देने की तैयारीः काशी में आगामी 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन धूमधाम से मनाया जाएगा। जन्मदिन पर करीब 100 करोड़ की योजनाओं का उपहार काशीवासियों को देने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए नगर निगम, जलकल, जल निगम के अलावा अन्य विभागों से प्रस्ताव मांगा गया है।

पीएम के जन्मदिन पर सीवर, पेयजल, सुंदरीकरण, पौधरोपण, लाइटिंग आदि से जुड़े नए कार्य का उपहार काशी की जनता को समर्पित करने की तैयारी की जा रही है। जिसका लाभ आम जनता को मिलेगा। कई योजनाओं की सूची फाइनल कराई जा रही है। इसके लिए सभी से प्रस्ताव मांगे गए हैं।

सड़कों पर लग रही झाड़ू, डिवाइडर की हो रही सफाई, सीवर के ढक्कन खोलकर देख रहे

मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी आगमन को ध्यान में रख शहर के सुंदरीकरण का काम किया जा रहा है। मेयर अशोक कुमार तिवारी ने मंगलवार को गोदौलिया से जंगमबाड़ी जाने वाले मार्ग पर झाड़ू लगाकर सफाई की और स्वच्छता का संदेश दिया। सीवर के ढक्कन खुलवाकर देखे। अधिकारियों से नजर रखने को कहा।

बेटे की फोटो लेकर बिलख पड़ी मां, प्रेमिका के भाइयों ने शरीर पर उड़ेल दिया था तेजाब

बलिया , एजेंसी। बलिया के बांसडीह कोतवाली क्षेत्र के हुसैनाबाद गांव में तेजाब से झुलसे राजकुमार की बीती रात इलाज के दौरान मौत हो गई। दूसरे दिन मौत से आहत महिलाओं ने आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से आक्रोशित डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन किया। इस दौरान महिलाओं ने आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी वह मुआवजा की मांग की।

हुसैनाबाद गांव के राजकुमार तिवारी को पड़ोस की भाभी की बहन व पड़ोसी गांव की एक युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। शादी से इनकार करने पर दोनों परिवार में विवाद चल रहा था। प्रेमिका ने मेरा न होने पर दूसरे को नहीं होने दूंगी की धमकी दी थी।

युवती के भाई ने फोन कर पवन का ढाला, खेवसर गांव में मिलने के लिए बुलाया। राजकुमार, जैसे ही वह पहुंचा, पहले से घात लगाए बैठे हमलावरों ने उसे घेर लिया और बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। उन्होंने राजकुमार के चेहरे पर तेजाब फेंक दिया, लेकिन बचाव की मुद्रा में होने के कारण तेजाब उसके बांह व पीठ पर जा गिरा। जिससे वह झुलस गया।

परिजनों में मचा कोहराम

तेजाब के हमले से झुलस राजकुमार, किसी तरह वहां से जान बचाकर भागा और अपने घर पहुंचा। घर पहुंचने पर राजकुमार की दर्दनाक हालत देखकर परिवार और पड़ोसी सदमे में आ गए। चिकित्सक ने हालत गंभीर देख वाराणसी रेफर कर दिया। इलाज के दौरान मौत हो गई।

दादी की तहरीर पर पुलिस ने चार पर मुकदमा दर्ज किया था। इस बाबत प्रभारी निरीक्षक राकेश उपाध्याय ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम को भेजा गया है। शांति व्यवस्था को लेकर पुलिस बल तैनात है।

यूपी में हाई अलर्ट घोषित, नेपाल से जुड़ी हर सोशल मीडिया पोस्ट की हो रही निगरानी, बनाई गई टीम

लखनऊ, एजेंसी। नेपाल में चल रहे आंतरिक विद्रोह और बगावत के बीच यूपी सरकार अलर्ट मोड पर है। प्रदेश की सीमाओं को सील करने के साथ-साथ सोशल मीडिया पोस्ट पर निगरानी की जा रही है। पुलिस की एक विशेष यूनिट सोशल मीडिया पोस्ट पर निगाह रख रही है। किसी भी तरह की भड़काऊ पोस्ट मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

सीमावर्ती इलाकों में तनाव के हालात पर नजर रखने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रशासन को सतर्क रहने के निर्देश दिए है। यूपी डीजीपी राजीव कृष्ण ने नेपाल सीमा से सटे सभी जिलों में पुलिस को 24 घंटे अलर्ट रहने का निर्देश दिया है। इलाकों में अतरिक्त पुलिस फोर्स की भी तैनाती कर दी गई है। पुलिसकर्मी लगातार पेट्रोलिंग और निगहबानी कर रहे हैं।

सोशल मीडिया पोस्ट पर नजर रखने के निर्देश

यूपी सरकार ने पुलिस मुख्यालय को सोशल मीडिया पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए हैं साथ ही कहा है कि मामला संवेदनशील होने पर तुरंत कार्रवाई करें।

नागरिकों की सहायता के लिए विशेष नियंत्रण कक्ष भी स्थापित

वहीं, नेपाल में फंसे भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए विशेष नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया है। इसकी जिम्मेदारी एडीजी कानून-व्यवस्था अमिताभ यश को सौंपा गया है। एडीजी अमिताभ ने बताया कि सीमावर्ती जिलों में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। पुलिस गश्त और निगरानी को सुदृढ़ किया गया है ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके। डीजीपी मुख्यालय की कानून-व्यवस्था शाखा में स्थापित विशेष नियंत्रण कक्ष में तीन हेल्पलाइन नंबर और एक व्हाट्सएप नंबर दिन-रात संचालित रहेंगे। इसके जरिये लोग सीधे मदद प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा पुलिस मुख्यालय की सोशल मीडिया इकाई को निर्देशित किया गया है कि नेपाल से संबंधित किसी भी संवेदनशील सूचना अथवा पोस्ट की लगातार निगरानी करने के साथ आवश्यकता पड़ने पर तत्काल कार्यवाही की जाए।

कैंटीन संचालक के फोन से मिले अश्लील राज, ऑडियो क्लिप से जिस्मफरोशी रैकेट की पुष्टि, जांच तेज

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में किशोरियों और युवतियों से दुष्कर्म कर उनके अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने वाला फतेहपुर के लहुरी सराय का केशव उत्तम बेहद शातिर है। ऑडियो क्लिप से जिस्मफरोशी रैकेट मामले की पुष्टि होने के बाद पुलिस अब करीबियों की तलाश में जुट गई है। ऑडियो में सुनाई दे रहा है कि युवक ने फोन कर महिला की मांग की तो सामने वाले ने पूछा कि महिला क्यों चाहिए। हालांकि जब वह व्यक्ति भरोसा दिलाता है, तो उसे आश्वासन मिल जाता है।

हालांकि उस दिन लेट होने की बात कह अगले दिन के लिए वादा करता है। साथ ही, कहता है कि जब भी जरूरत हो मेरे नंबर पर ही फोन करना किसी और के फोन पर नहीं। साथ ही वह उसे और भी विकल्प उपलब्ध कराने का भरोसा देता है। दोनों के बीच की बातचीत में एक फौजी का भी जिक्र आता है। बातचीत के दौरान एक शिवम नाम के भी युवक का जिक्र आने से पुलिस इसे नौबस्ता में ही कुछ दिन पहले लड़की को बाहर ले जाकर बेचने वाले युवक से भी जोड़कर देख रही है।

राखी बंधवाकर ब्लैकमेल करने वाले ने परिवार को किया गुमराह

किशोरी के पिता ने उसके खिलाफ नौबस्ता थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोप लगाया कि परिवार का भरोसा जीतने के लिए केशव ने बेटी से राखी बंधवाने का ढोंग किया। उसने राखी बांधने से इन्कार किया तो शातिर ने उसे समझाया था कि इससे उनके मिलने पर कोई शक नहीं करेगा। आरोपी के भागने के दौरान मोबाइल मिलने पर अश्लील वीडियो मिलने पर पूरी पोल खुल गई। अब मोबाइल वापसी के लिए धमकी दी जा रही है।

परिवार ने किया बेटी के मेडिकल टेस्ट कराने से इन्कार : मामले के विवेचक सब इंस्पेक्टर विशाल ने बताया कि पीड़ित किशोरी को मंगलवार दोपहर मेडिकल के लिए कांशीराम अस्पताल चलना था। हालांकि अचानक पीड़ित परिवार ने चलने से इन्कार कर दिया। बुधवार को किशोरी के बयान कराए जाएंगे।

वीडियो वायरल करने की देता है धमकी : डीसीपी साउथ ने बताया कि आरोपी की तलाश में चार टीमें लगाई हैं। हंसपुरम इलाके में ही किराये पर रहने वाली किशोरी के पिता ने बताया कि आरोपी निजी अस्पताल में कैंटीन चलाने के बहाने जिस्मफरोशी रैकेट चला रहा है। वह किशोरियों और युवतियों को प्रेमजाल में फंसाकर उनके अश्लील वीडियो बना लेता है। इसके बाद उन्हें वेश्यावृत्ति के लिए मजबूर करता है। बात न मानने पर उनके वीडियो वायरल करने की धमकी देता है।

पांच लड़कियों के अश्लील वीडियो थे : उनकी बेटी को भी प्रेमजाल में फंसाने के बाद मनमानी कराना चाहता था। इन्कार करने पर उसे धमकाया तो बेटी ने आपबीती बता दी। उन्होंने केशव को समझाया लेकिन वह नहीं माना। एक सितंबर को दबाव बनाकर बेटी को साथ ले जाने के लिए आया तो पकड़ने का प्रयास किया तभी भागने के दौरान उसका गिरा हुआ मोबाइल उन्हें मिल गया। इसमें बेटी समेत पांच लड़कियों के अश्लील वीडियो थे।

नशीला पदार्थ सुंघाकर महिला को बेहोश किया, फिर अकेले देख इमाम ने कर दी गंदी हरकत, पुलिस ने भेजा गया जेल

रामपुर , एजेंसी। स्वार कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में मस्जिद के इमाम पर महिला ने दुष्कर्म और उसकी दो नाबालिग बेटियों से दुष्कर्म करने के प्रयास का आरोप लगाया है। पीड़िता के अनुसार इमाम ने उसे नशीला पदार्थ सुंघाकर बेहोश कर गलत काम किया। इसके साथ ही वीडियो बनाकर धमकी दी।

एसपी के हस्तक्षेप के बाद पुलिस ने इमाम के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता के अनुसार करीब छह महीने पहले रात में तबीयत खराब होने पर वह इमाम गुलाम हुसैन निवासी मधुपुरा के पास ताबीज लेने गई थी। इमाम ने उसे मस्जिद के सटे कमरे में ले जाकर नशीला पदार्थ सुंघाया, जिसके बाद वह बेहोश हो गई।

होश आने पर वह निर्वस्त्र मिली। उसके साथ दुष्कर्म किया गया। इमाम ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने और जान से मारने की धमकी देकर उसे चुप रहने को कहा।विवाहिता का आरोप है कि इसके बाद भी वह उसे ब्लैकमेल कर दुष्कर्म करता रहा।

27 अगस्त की रात इमाम आठ-दस लोगों के साथ उसके घर में घुसा और उसकी नाबालिग बेटियों के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। चीख-पुकार मचने पर धमकी देकर भाग गया। पीड़िता ने कोतवाली पुलिस में शिकायत की लेकिन केस दर्ज नहीं किया गया।

एसपी से शिकायत करने पर ही केस दर्ज हुआ और इमाम को गिरफ्तार किया गया। एसपी विद्यासागर मिश्र ने बताया कि इमाम गुलाम हुसैन के खिलाफ दुष्कर्म की धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

चुम्मा चुम्मा दे दे...पंचायत ऑफिस में शराब की कश लगाते डांस, चार को नोटिस, बीईओ व एडीओ पंचायत ने की जांच

मिर्जापुर, एजेंसी। विकास खंड क्षेत्र के हिनौता गांव के पंचायत भवन में नशे में धुत होकर डांस करने का वीडियो वायरल होने के बाद इसकी जांच हो रही है। मंगलवार को खंड शिक्षाधिकारी ने शिक्षामित्र व अन्य से पूछताछ की तो एडीओ पंचायत ने प्रधान, पूर्व प्रधान, सचिव व पंचायत सहायक से पूछताछ की। इन चारों लोगों को नोटिस देकर जवाब मांगा गया है। पूछताछ के समय ही बड़ी संख्या में पंचायत भवन पहुंचकर कुछ लोगों ने हंगामा किया । उनपर कर्मचारियों से अभद्रता करने का आरोप लगाया गया।

वीडियो का संज्ञान लेते हुए डीपीआरओ संतोष कुमार श्रीवास्तव ने खंड विकास अधिकारी को मामले की जांच कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। मंगलवार को बीडीओ के निर्देश पर एडीओ पंचायत ने ग्राम प्रधान, पूर्व प्रधान, ग्राम सचिव व पंचायत सहायक को नोटिस देकर तीन दिनों में जवाब देने का निर्देश दिया।

एडीओ पंचायत धर्मेन्द्र दुबे ने बताया कि नोटिस जारी होने के बाद सभी लोग स्पष्टीकरण देने पंचायत कार्यालय पहुंचे । बाद में पहुंचे पंचायत सहायक के साथ कई लोग कार्यालय पहुंचकर हंगामा करने लगे और कर्मचारियों से अभद्रता की।

मामला बिगड़ता देख एडीओ पंचायत ने संतनगर थाने पर फोन कर इसकी जानकारी दी। पर पुलिस ने मामला मड़िहान थाने का बताकर पहले तो अपना पल्ला झाड़ लिया। कुछ देर बाद जब तक पुलिस पहुंची तब तक लोग वहां से जा चुके थे।

होगी कार्रवाई : एडीओ पंचायत धर्मेन्द्र दुबे ने बताया कि हिनौता पंचायत भवन में पेय पदार्थ पीकर डांस करने के मामले में वर्तमान व पूर्व प्रधान, ग्राम सचिव पंचायत सहायक को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है तीन दिनों में जवाब नही देने पर प्राथमिकी की कार्रवाई की जाएगी ।

इसी घटना में शामिल शिक्षामित्र से मंगलवार को खंड शिक्षा अधिकारी मनोज कुमार ने जांच की। मामला तूल पकड़ने पर पंचायत सहायक को धमकी मिलने का मामला सामने आ गया। पंचायत सहायक ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में जान माल सुरक्षा की गुहार लगाया है।

मामला यह था कि एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें विकास खंड पटेहरा क्षेत्र के हिनौता पंचायत भवन में कुछ लोग नागिन डांस करते नजर आ रहे हैं। मंगलवार को पंचायत भवन पर खण्ड शिक्षा अधिकारी मनोज कुमार राय ने पहुंचकर ग्राम प्रधान, शिक्षा मित्र व ग्रामीणों का बयान दर्ज किए। बताया गया कि रिपोर्ट जिला प्रशासन को भेज दी जाएगी। उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

अब्दुल्ला रेजीडेंसी के अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर, मालिक जावेद और महेंद्र गुप्ता के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मेरठ , एजेंसी। मेरठ के नौचंदी ग्राउंड के पास स्थित अब्दुल्ला रेजीडेंसी पर मंगलवार को प्रशासन और आवास एवं विकास परिषद की टीम ने अवैध निर्माण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। टीम ने मौके पर पहुंचकर चहारदीवारी को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया।

देर रात आवास विकास परिषद के जेई संदीप कुमार ने नौचंदी थाने पर रेजीडेंसी के मालिक जावेद इकबाल और महेंद्र गुप्ता के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने, मार्ग अवरुद्ध करने और अतिक्रमण करने का केस दर्ज कराया।ऊर्जा राज्यमंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर ने हापुड़ रोड स्थित इस रेजीडेंसी में केवल अल्पसंख्यक समुदाय को ही भूखंड देने पर सवाल उठाते हुए जांच की मांग की थी। इसके बाद डीएम डॉ. वीके सिंह ने तीन सदस्यीय जांच कमेटी बनाई, जिसमें एसडीएम सदर डॉ. दीक्षा जोशी, सीओ सिविल लाइन अभिषेक तिवारी और आवास विकास परिषद के अधिशासी अभियंता आफताब अहमद शामिल थे। मंगलवार को जांच कमेटी ने पैमाइश की, जिसमें पाया गया कि 22 हजार वर्ग मीटर में कॉलोनी पास हुई थी, लेकिन लगभग 300 वर्ग मीटर में अतिरिक्त निर्माण कर बाउंड्री बनाई गई थी। इसे बुलडोजर से गिरा दिया गया।

वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप:

निखत 5-0 से जीतकर क्वार्टर फाइनल में

नई दिल्ली, एजेंसी। लिवरपूल में चल रही वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में दो बार की वर्ल्ड चैंपियन निखत जरीन ने मंगलवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं के 51 किग्रा वर्ग के प्री-क्वार्टर फाइनल में जापान की युमा निशिनाका को 5-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। निखत के अलावा मीनाक्षी, जदुमणि और अभिनाश जामवाल भी क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया। निखत का इस साल का पहला इवेंट 29 साल निखत के लिए यह इस साल का पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट है। पहले राउंड में जापानी खिलाड़ी ने कड़ा मुकाबला किया, लेकिन निखत ने अपनी लय बनाए रखी और जीत हासिल की। मैच के दौरान युमा ने निखत के रिदम को तोड़ने के लिए अत्यधिक क्लिंचिंग (गले लगाकर रुकने) की कोशिश की, जिसके कारण उन्हें दो पेनल्टी पॉइंट्स का नुकसान हुआ। निखत ने जापानी खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया और सर्वसम्मति से जीत हासिल की। 48 KG में मीनाक्षी ने चीनी खिलाड़ी को हराया निखत के अलावा अन्य भारतीय बॉक्सरों ने भी क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। मीनाक्षी (48 किग्रा) ने चीन की वांग क्यूपिंग को 5-0 से हराया। जबकि जदुमणि (57 किग्रा) ने इंग्लैंड की रीडशॉ रीस को 5-0 से पराजित किया। वहीं, अभिनाश जामवाल (65 किग्रा) ने डोमिनिकन गणराज्य के पीटर यनोआ फर्नांडो डी जीसस को 5-0 से मात देकर अगले दौर में जगह पक्की की।

अफगानिस्तान का विजयी आगाज, एशिया कप के पहले मैच में हॉन्ग कॉन्ग को धोया

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप के पहले मुकाबले में अफगानिस्तान ने हॉन्ग कॉन्ग को 94 रनों से करारी शिकस्त दी है. टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने उमरजई और अटल की शानदार फिफ्टी के दम पर 189 रनों का लक्ष्य हॉन्ग कॉन्ग के सामने रखा था. इसके जवाब में उतरी हॉन्ग कॉन्ग की टीम 94 रन ही बना सकी.

ऐसी रही हॉन्ग कॉन्ग की पारी: 189 के जवाब में उतरी हॉन्ग कॉन्ग की शुरुआत बेहद खराब रही. पहले ही ओवर में फारुकी ने अंशुमान रथ का विकेट झटका. अंशुमान अपना खाता भी नहीं खोल सके. इसके बाद दूसरे ओवर में हॉन्ग कॉन्ग को एक और झटका लगा जब उमरजई ने जीशान अली का विकेट झटका. इसके बाद तीसरे ओवर में 13 के स्कोर पर भी हॉन्ग कॉन्ग को झटका लगा और निजाकत रन आउट हो गए. पांचवे ओवर में भी हॉन्ग कॉन्ग को झटका लगा. इसके बाद 10वें ओवर में भी हॉन्ग कॉन्ग को झटका लगा जब किंचित शाह 4 रन बनाकर आउट हो गए. इसके बाद अच्छी लय में दिख रहे बाबर हयात का भी विकेट गिर गया. इसके बाद हॉन्ग कॉन्ग की पारी और लड़खड़ा गई और टीम 20 ओवर खेलकर 9 विकेट गंवाने के बाद केवल 94 रन ही बना सकी. अफगानिस्तान ने 94 रनों से ये मैच जीत लिया.

ऐसी रही अफगानिस्तान की पारी: अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी. पारी का आगाज अटल और गुरबाज ने किया. लेकिन तीसरे ही ओवर में अफगानिस्तान को पहला झटका लगा जब गुरबाज 8 रन बनाकर आयुष शुक्ला का शिकार बन गए. इसके बाद चौथे ओवर में इब्राहिम जादरान भी 1 रन बनाकर आउट हो गए. लेकिन फिर नबी और अटल के बीच अच्छी साझेदारी हुई. टीम को तीसरा झटका 77 के स्कोर पर 11वें ओवर में लगा. नबी 33 रन बनाकर किंचित का शिकार बने. फिर नाइब का विकेट 13वें ओवर में गिरा. नाइब 5 रन बना सके. लेकिन अटल को साथ मिला अजमतुल्लाह उमरजई का जिन्होंने शानदार फिफ्टी लगाई. उमरजई ने 53 रन बनाए. दोनों की इस पारी के दम पर अफगानिस्तान ने 188 रन बनाए.

आर्चरी:

विश्व चैंपियनशिप में निराशाजनक प्रदर्शन, भारतीय पुरुष रिकर्व व्यक्तिगत वर्ग में पदक की दौड़ से बाहर

ग्वांगजू (दक्षिण कोरिया), एजेंसी। तीनों में सबसे अनुभवी ओलंपियन धीरज बोम्मादेवरा को सबसे कठिन ड्रॉ मिला, क्योंकि पहले दौर में उनका मुकाबला पूर्व ओलंपिक चैंपियन मेटे गाजोज से हुआ। भारतीय पुरुष रिकर्व तीरंदाजों का विश्व चैंपियनशिप में निराशाजनक प्रदर्शन बुधवार को भी जारी रहा और उसके सभी तीरंदाज व्यक्तिगत वर्ग के पदक चरण में जगह बनाने में असफल रहे।भारत के तीनों खिलाड़ियों में राहुल ने सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने तीसरे राउंड (अंतिम-32) में जगह बनाई, लेकिन शूट-ऑफ में जॉर्जिया के एलेक्जेंडर माचावरियानी से 5-6 (8-10) से हार गए। इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने 5-3 की बढ़त बना ली थी, लेकिन अंतिम दो सेटों में वह लड़खड़ा गए, जिससे एक बार फिर रिकर्व वर्ग में दबाव में भारत की मानसिक कमजोरियां उजागर हो गईं। पहला सेट 28-28 से बराबर करने के बाद राहुल ने दूसरे सेट में 30-30 का शानदार स्कोर बनाया और तीसरे सेट में 28-27 से जीत हासिल कर 5-1 की बढ़त बना ली।

चौथे राउंड में उन्हें केवल ड्रॉ की आवश्यकता थी, लेकिन वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए जिससे उनके विरोधी खिलाड़ी को वापसी करने का मौका मिल गया। जॉर्जियाई खिलाड़ी ने पांचवां सेट 28-27 से जीतकर शूट-ऑफ कराया, जहां राहुल ने आठ अंक हासिल किए, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी का स्कोर परफेक्ट 10 था। तीनों में सबसे अनुभवी ओलंपियन धीरज बोम्मादेवरा को सबसे कठिन ड्रॉ मिला, क्योंकि पहले दौर में उनका मुकाबला पूर्व ओलंपिक चैंपियन मेटे गाजोज से हुआ। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी को पहला सेट 29-29 से बराबर करने के बाद 2-6 से हार का सामना करना पड़ा।

दूसरे सेट में कड़ी टक्कर हुई, लेकिन गाजोज़ के दो 10 ने उन्हें 29-28 की बढ़त दिला दी। तुर्किए के तीरंदाज ने तीसरे सेट में 29-28 के साथ अपनी बढ़त 5-2 कर ली। धीरज ने चौथा सेट 29-29 से बराबर किया, लेकिन यह गाजोज को जीत से रोकने के लिए पर्याप्त नहीं था। भारत के एक अन्य खिलाड़ी नीरज चौहान को उज्बेकिस्तान के बोबराजाबोव बेकजोद से सीधे सेटों में 27-29, 27-28, 26-29 से हार का सामना करना पड़ा।

नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा टी20 विश्व कप 2026 का फाइनल

➤ पाकिस्तान कर सकता है खेल खराब

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में 2026 का पुरुष टी20 विश्व कप 7 फरवरी से 8 मार्च के बीच खेला जाएगा। भारत अपना खिताब बरकरार रखने की कोशिश करेगा जिसने पिछली बार 2024 में बारबाडोस में हुए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर यह खिताब जीता था।

इस टूर्नामेंट में 20 टीमें भाग लेंगी और 55 मैच खेले जाएंगे। मैच भारत में 5 और श्रीलंका में दो स्थानों पर खेले जाएंगे तथा फाइनल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। हालांकि पाकिस्तान फाइनल के लिए क्वालीफाई कर जाता है, तो यह मैच कोलंबो में होगा।

बीसीसीआई टी20 विश्व कप 2026 की मेजबानी करेगा। हालांकि इस साल की शुरुआत में बीसीसीआई और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के बीच एक समझौता हुआ था कि वे दोनों सरकारों के बीच लंबे समय से चल रहे भू-राजनीतिक तनाव के कारण एक-दूसरे के देशों में नहीं खेलेंगे जिसके बाद श्रीलंका को पाकिस्तान के सभी मैचों के आयोजन के लिए सह-मेजबान चुना गया।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि आईसीसी ने अभी तक कार्यक्रम तय नहीं किया है, लेकिन टूर्नामेंट के लिए समय निश्चित रूप से तय कर लिया गया है और सभी भाग लेने वाले देशों को इसकी जानकारी दे दी गई है।

फिलहाल अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के लिए केवल 15 टीमें ही क्वालीफाई कर पाई हैं, जिनमें भारत, श्रीलंका, अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका, वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, आयरलैंड, कनाडा, नीदरलैंड और पहली बार इटली भी शामिल हैं। शेष पांच स्थानों में से दो अफ्रीका क्षेत्रीय क्वालीफायर से और तीन एशिया और पूर्वी एशिया प्रशांत क्वालीफायर से निकलेंगे।

फीफा वर्ल्ड कप: बोलीविया ने ब्राजील को हराया, क्वालिफाइंग प्लेऑफ में प्रवेश किया

एल आल्टो (बोलीविया), एजेंसी। बोलीविया का लक्ष्य चौथी बार तथा 1994 के बाद पहली बार विश्व कप के लिए क्वालिफाई करना होगा। मिगुएल टेरसेरोस ने पहले हाफ में पेनल्टी पर गोल किया जिससे बोलीविया ने मंगलवार को विश्व का फुटबॉल के दक्षिण अमेरिकी क्वालिफाइंग में ब्राजील को 1-0 से हराकर प्लेऑफ में अपनी जगह सुरक्षित की। टेरसेरोस ने 45वें मिनट में गोल करके बोलिवियाई टीम को 2019 के बाद पहली बार घरेलू मैदान पर ब्राजील पर जीत दिलाई।

प्लेऑफ टूर्नामेंट में छह देश शामिल होंगे और यह मार्च के अंतरराष्ट्रीय सत्र में खेला जाएगा, जिससे अगले वर्ष अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले विश्व कप के लिए अंतिम दो स्थानों का निर्धारण होगा। बोलीविया का लक्ष्य चौथी बार तथा 1994 के बाद पहली बार विश्व कप के लिए क्वालिफाई करना होगा। क्वालिफायर में तीसरे स्थान पर रहने वाली कोलंबियाई टीम ने स्ट्राइकर लुइस डियाज के शानदार प्रदर्शन की बदौलत वेनेजुएला को 6-3 से हराकर बोलीविया की टीम को प्लेऑफ में पहुंचाने में मदद की। डियाज ने चार गोल दागे। क्वालिफाइंग के एक अन्य मैच मे इक्वाडोर ने अर्जेंटीना को 1-0 से हरा दिया।

एशेज सीरीज की तैयारी में जुटे कमिंस, चोट से वापसी के लिए समयसीमा तय की

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट कप्तान पैट कमिंस इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज से पहले अपनी फिटनेस साबित करना चाहते हैं, उन्होंने बॉलिंग क्रीज पर वापसी के लिए समयसीमा तय की है। जुलाई में कैरेबियन दौरे में खेलने के बाद से पैट कमिंस कमर दर्द से जूझ रहे हैं।

उनकी हालिया स्कैन रिपोर्ट में प्रभावित हिस्से में लंबर बोन स्ट्रेस की पुष्टि हुई है। कमिंस को आराम की जरूरत है, लेकिन दौड़ने या गेंदबाजी करने में कोई दिक्कत नहीं है। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान जानते हैं कि उन्हें एशेज सीरीज से पहले अपनी फिटनेस साबित करनी होगी। इस टूर्नामेंट की शुरुआत 21 नवंबर से होगी। कमिंस को उम्मीद है कि एशेज की शुरुआत से लगभग चार से छह हफ्ते पहले वह दोबारा गेंदबाजी शुरू कर पाएंगे। कमिंस ने बुधवार को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के एक स्पॉन्सरशिप प्रोग्राम में कहा, मैं कम से कम एक महीने पहले, शायद छह हफ्ते पहले गेंदबाजी करना शुरू करना चाहूंगा, लेकिन मैंने इस पर अभी ज्यादा नहीं सोचा है। अभी भी इंतजार करना होगा और देखना होगा। हमारे पास पर्याप्त समय है, इसलिए जब चैंपियंस ट्रॉफी थोड़ी नजदीक होगी, तो वापसी का रोडमैप तय करेंगे। अगर पैट कमिंस को शुरुआती टेस्ट से बाहर होना पड़ा, तो ऐसे में तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड उनकी जगह ले सकते हैं। अनुभवी तिकड़ी मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और नाथन लायन का खेलना लगभग तय है। उन्होंने कहा, मैं फिलहाल अगले कुछ हफ्तों तक ज्यादा कड़ी ट्रेनिंग नहीं करूंगा। मुझे ज्यादा दौड़ना नहीं है और गेंदबाजी बिल्कुल नहीं करनी।

21-25 नवंबर के बीच पर्थ में एशेज सीरीज का पहला मुकाबला खेला जाएगा। 4-8 दिसंबर के बीच ब्रिस्बेन में दूसरा मुकाबला आयोजित होगा। 17-21 दिसंबर के बीच दोनों टीमें एडिलेड में तीसरे टेस्ट के लिए भिड़ेंगी, जबकि 26-30 दिसंबर के बीच मेलबर्न में चौथा मुकाबला खेला जाएगा। सीरीज के पांचवें और अंतिम मैच का आयोजन अगले साल 4-8 जनवरी के बीच सिडनी में होगा।

इन्फ्लुएंसर विवाद केस: कोर्ट ने क्रिकेटर पृथ्वी शॉ पर लगाया 100 रुपए जुर्माना

मुंबई, एजेंसी। डिंडोशी सेशंस कोर्ट ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सपना गिल के खिलाफ कथित मारपीट के मामले में जवाब देने में देरी के चलते भारतीय क्रिकेटर पृथ्वी शॉ पर 100 रुपए का जुर्माना लगाया है। सपना गिल के वकील अली काशिफ खान का मानना है कि यह कोर्ट की ओर से दिया गया एक बड़ा संदेश है। वकील अली काशिफ खान ने कहा, हमने अपनी क्लाइंट

के साथ हाथापाई को लेकर पृथ्वी शॉ और उनके ग्रुप के खिलाफ शिकायत की थी। जब पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की, तो हमने अंधेरी मजिस्ट्रेट कोर्ट में जाकर मांग की थी कि वह एफआईआर दर्ज करवाने के निर्देश दें, लेकिन कोर्ट ने पुलिस को सिर्फ पूछताछ का ऑर्डर दिया। ऐसे में हमने सेशंस कोर्ट डिंडोशी में ऑर्डर को चैलेंज किया। आज करीब एक साल का समय बीच चुका है, लेकिन इस मामले में पृथ्वी शॉ का कोई जवाब नहीं आया है।

उन्होंने कहा, सेशंस कोर्ट डिंडोशी के जज ने पृथ्वी शॉ को कई बार जवाब दाखिल करने का आदेश दिया। इसके बाद से उनके वकील ने जवाब दाखिल करने के लिए तीन से ज्यादा डेट्स ले ली हैं। बुधवार को जब उनके वकील से जवाब दाखिल करने को कहा गया, तो उन्होंने फिर से वक्त मांगा, जिसे सुनते ही जज ने 100 रुपए जुर्माना भरने का आदेश दिया।

गावस्कर ने ब्रोंको टेस्ट को कहा अनुचित, सभी के लिए एक ही मानक रखना लगभग असंभव

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की पुरुष टीम में खिलाड़ियों के चयन के लिए ब्रोंको टेस्ट शुरू करने की योजना ने सभी का ध्यान खींचा है। यह एक ऐसा टेस्ट है जो एथलीटों को अपनी हृदय संबंधी क्षमता बढ़ाने के लिए प्रेरित करता है। ब्रोंको टेस्ट क्रिकेट के लिए भले ही नया हो, लेकिन रग्बी में इसका इस्तेमाल लंबे समय से एक उच्च-तीव्रता वाली दौड़ के अभ्यास के रूप में किया जाता रहा है। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने इसके खिलाफअपने विचार साझा करते हुए कहा कि इस तरह के टेस्ट के आधार पर खिलाड़ियों का चयन करना काफी अनुचित है। गावस्कर ने अपने एक कॉलम में लिखा, हालांकि यह जानने के लिए कि किसी खिलाड़ी को अपने शरीर को कहां मजबूत करने की जरूरत है, ये टेस्ट करवाना ठीक है, लेकिन राष्ट्रीय टीम में चयन का फैसला इनसे करवाना थोड़ा ज़्यादा है। हर व्यक्ति का शरीर अलग होता है, इसलिए टीम में सभी के लिए एक ही मानक रखना लगभग असंभव है।

महिला क्रिकेट विश्व कप के लिए न्यूजीलैंड की टीम घोषित

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के लिए न्यूजीलैंड की टीम का ऐलान कर दिया गया है, जिसकी कमान सोफी डिवाइन के पास है। 22 वर्षीय ऑलराउंडर फ्लोरा डेवोनशायर को घरेलू स्तर पर प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद वनडे टीम में शामिल किया गया है। पिछले संस्करण की मेजबानी के बाद से न्यूजीलैंड टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है। इस बार न्यूजीलैंड ने अपने खेमे में छह ऐसी खिलाड़ियों को शामिल किया है, जो पहली बार वनडे वर्ल्ड कप में खेलती नजर आएंगी। इसके अलावा, चार खिलाड़ी ऐसी भी होंगी, जो अपने पहले सीनियर आईसीसी टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी।

न्यूजीलैंड की टीम: सोफी डिवाइन (कप्तान), सूजी बेट्स, ईडन कार्सन, फ्लोरा डेवोनशायर, इजी गेज, मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, ब्री इलिंग, पॉली इंग्लिस, बेला जेम्स, मेली केर, जेस केर, रोजमैरी मेयर, जॉर्जिया प्लिम्मर और ली ताहुहु।

सोफी डिवाइन अपना पांचवां वर्ल्ड कप खेलने जा रही हैं। उनकी साथी सूजी बेट्स भी अपने पांचवें वनडे विश्व कप में खेल रही हैं। अनुभवी तेज गेंदबाज ली ताहुहू को चौथे विश्व कप में खेलने का मौका मिला है, जबकि मैडी ग्रीन और मेली केर अपने तीसरे विश्व कप में भाग ले रही हैं।

30 सितंबर से महिला वर्ल्ड कप 2025 की शुरुआत होने जा रही है। टूर्नामेंट में न्यूजीलैंड का पहला मैच 1 अक्टूबर को इंदौर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगा। इसके बाद न्यूजीलैंड 6 अक्टूबर को साउथ अफ्रीकी टीम से भिड़ेगी। 10 अक्टूबर को उसका सामना बांग्लादेश से होगा। न्यूजीलैंड की टीम 14 अक्टूबर को श्रीलंका से भिड़ेगी, जिसके बाद 18 अक्टूबर को टीम का सामना पाकिस्तान से होगा। यह टीम 23 अक्टूबर को भारतीय टीम को चुनौती देगी, जबकि 26 अक्टूबर को न्यूजीलैंड का सामना इंग्लैंड से होगा।

न्यूजीलैंड के कोच बेन सॉयर ने टीम में चुने गए सभी खिलाड़ियों की प्रशंसा करते हुए कहा, मैं टीम के संतुलन से वास्तव में खुश हूं। मुझे लगता है कि परिस्थितियों और विरोधियों को मद्देनजर रखते हुए हमारे पास सही मिश्रण है, जिससे हम उन सभी चुनौतियों का मुकाबला कर सकते हैं, जिनका हम सामना करेंगे।